राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 16 मई 2024 वर्ष–7,अंक–112 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

एसबीआई ने एफडी पर ब्याज दरें बढ़ाईं

नई दिल्ली।

एसबीआई ने खुदरा जमा (2 करोड़ रुपये तक) और थोक जमा (2 करोड़ रुपये से अधिक) पर निश्चित अवधि के लिए अपनी सावधि जमा ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। नई एफडी दरें 15 मई, 2024 से प्रभावी हैं। एसबीआई ने अपनी वेबसाइट वेबसाइट पर बताया गया है। बैंक ने 46 दिनों से 179 दिनों के बीच परिपक्व होने वाली जमा राशि पर अपनी सावधि जमा ब्याज दरों में 75 आधार अंकों (बीपीएस) की बढ़ोतरी की है, जो 4.75 प्रतिशत से 5.50 प्रतिशत तक है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए, बैंक ने समान अवधि के लिए ब्याज दर 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 6 प्रतिशत कर दी है। एसबीआई ने आम नागरिकों के लिए 180 दिनों से 210 दिनों के जमा पर ब्याज दर 25 बीपीएस बढ़ाकर 5.75 प्रतिशत से 6 प्रतिशत कर दी है। बैंक ने 211 दिन से एक साल से कम की अवधि के एफडी दरों को 25 बीपीएस बढ़ाकर 6 प्रतिशत से 6.25 प्रतिशत और वरिष्ठ नागरिकों के लिए इसे बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत से 6.75 प्रतिशत कर दिया है।

बस और ट्रक की टक्कर, 6 जिंदा जले

पालनाडु। आंध्र प्रदेश के पालनाडु जिले के चिलकलुरिपेट के पास मंगलवार की देर रात एक बस और ट्रक की टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों गाडिय़ां में आग लग गई, जिसमें 6 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यात्रियों से भरी बस चिन्नागंजम से हैदराबाद जा रही थी। कई लोग घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए गुंटूर ले जाया गया है।

अब 3 दिन में सेटल होगा ईपीएफ क्लेम

मेडिकल, एजुकेशन, मैरिज और हाउसिंग पर्पज के लिए ही मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि के कुछ विड्रॉल क्लेम अब केवल 3 दिन में सेटल होंगे। ईपीएफओ ने मेडिकल, एजुकेशन, मैरिज और हाउसिंग पर्पज के एडवांस क्लेम के लिए ऑटो-मोड सेटलमेंट की शुरुआत की है। इससे ह्यूमन इंटरवेंसन खत्म होगा और प्रोसेसिंग तेज होगी। अभी तक क्लेम सेटलमेंट में मोटे तौर पर 15-20 दिन का समय लगता था। ऐसा इसलिए होता था क्योंकि ईपीएफआ क्लेम सेटलमेंट से पहले ईपीएफ मेंबर की एलिजिबिलिटी, डॉक्यूमेंट, ईपीएफ अकाउंट का केवायसी स्टेटस, बैंक अकाउंट जैसी डिटेल्स को चेक करता था। अभी तक जो कंवेंशनल प्रोसेस चल रही थी उसमें अमान्य दावों को अक्सर वापस कर दिया जाता है या अस्वीकार कर दिया जाता है। अब ऑटोमेटेड सिस्टम में उन्हें स्क्रूटनी और अप्रूवल के लिए सेकेंड लेवल पर भेज दिया जाएगा, ताकि कोई भी क्लेम छूट न जाए।

सीएए के तहत पहली बार मिली भारतीय नागरिकता

14 लोगों को मिला सिटीजनशिप सर्टिफिकेट

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) की अधिसूचना जारी होने के बाद बुधवार को पहली बार 14 लोगों को नागरिकता प्रमाणपत्र दिए गए। केन्द्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने आज नई दिल्ली में कुछ आवेदकों को नागरिकता प्रमाणपत्र सौंपे। इस मौके पर गृह सचिव ने आवेदकों नागरिकता संशोधन अधिनियम की महत्वपूर्ण बातें बताईं। इस मौके पर सचिव, डाक, निदेशक और भारत के रजिस्ट्रार जनरल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बता दें कि भारत सरकार ने 11 मार्च 2024 को नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2024 को अधिसूचित किया था। इसमें आवेदन करने के तरीके, जिलास्तरीय समिति द्वारा आवेदन को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया और राज्यस्तरीय अधिकार प्राप्त समिति द्वारा आवेदनों की जांच और नागरिकता प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। नागरिकता संशोधन कानून के जरिए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, ईसाई और पारसी धर्म से जुड़े शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता दी जाएगा। कानून के मुताबिक, जो लोग 31 दिसंबर 2014 से पहले आकर भारत में बस गए थे, उन्हें ही नागरिकता दी जाएगी।

मतदान के बाद कार्रवाई करेगी चुनाव आयोग?

- स्टार प्रचारक संयम बरतें, नजीर पेश करें

नई दिल्ली । चुनाव आयोग में लोकसभा चुनाव के जब तीन चरण शेष रह गए हैं। तब स्टार प्रचारकों के लिए चुनाव आयोग ने निर्देश जारी किया है। स्टार प्रचारक समाज के नाजुक ताने- बाने को खराब नहीं करेंगे। स्टार प्रचारक अपने बयान और कथन पर संयम बरतेंगे। चुनाव आयोग के पास स्टार प्रचारकों की शिकायत कि गई है। उसके जवाब में चुनाव आयोग ने स्टार प्रचारकों को यह सलाह दी है। चुनाव आयोग ने स्टार प्रचारकों के चुनाव प्रचार की शिकायत पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को नोटिस जारी किए हैं। आयोग ने कहा है, हमें जवाब मिल गया है। शिकायतों पर आयोग उचित कार्रवाई करेगा। चुनाव आदर्श आचार संहिता का लगातार उल्लंघन हो रहा है। चुनाव आयोग ने अभी तक तो कोई कार्यवाही की नहीं। शायद मतदान समाप्त होने के बाद चुनाव आयोग क्या कार्यवाही करेगा। इसको लेकर अब चर्चाएं होने लगी है।

कांग्रेस फिर से विभाजन पैदा करने के लिए धर्म का उपयोग कर रही है: पीएम मोदी

कल्याण।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मोदी गरीबों को बिना किसी भेदभाव के मुफ्त राशन, नल का पानी, पक्के घर और गैस कनेक्शन उपलब्ध करा रहे हैं। कांग्रेस चाहती है कि बजटीय आवंटन का 15 प्रतिशत धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए अनिवार्य हो। पहले उन्होंने देश को धार्मिक आधार पर विभाजित किया और अब वे फिर से विभाजन पैदा करने के लिए धर्म का उपयोग कर रहे हैं। मुंबई से सटे कल्याण में भाजपा महायुति से शिवसेना शिंदे गुट के उम्मीदवार डॉ.श्रीकांत शिंदे तथा भिवंडी से भाजपा उम्मीदवार कपिल पाटिल के लिए पार्टी द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने महाविकास अघाड़ी खासकर कांग्रेस की कड़ी आलोचना की. उन्होंने कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी गरीबी हटाओ और हर चुनाव में गरीबी हटाओ के झूठे नारे देने वालों ने नेहरू से लेकर 2014 के चुनाव तक गरीबी हटाओ का नारा जारी रखा। यही उनका खेल था. जिसने भ्रष्टाचार को अपनी आदत बना लिया था. कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने विकास बजट में कटौती की, विभाजन का विचार किया। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस चाहती थी कि देश के सारे बजट का 15 प्रतिशत सिर्फ मुसलमानों पर खर्च हो, तब बीजेपी के जबरदस्त विरोध के बाद वे कामयाब नहीं हो पाए थे। पीएम मोदी ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा वीर सावरकर को लेकर दिए गए बयान की आलोचना की. उन्होंने शिवसेना के ठाकरे गुट, एनसीपी के शरद पवार गुट और इंडिया अलायंस के अन्य दलों को चुनौती दी कि वे कांग्रेस के युवराज यानी राहुल गांधी के मुंह से सावरकर के बारे में पांच अच्छे वाक्य बोलकर दिखाएं. नरेंद्र मोदी ने कहा, कांग्रेसी लगातार आजादी के नायक विनायक दामोदर सावरकर का अपमान कर रही है, लेकिन नकली शिवसेना वाले इस बारे में कुछ नहीं बोल रहे हैं. नकली शिवसेना में कांग्रेस को ऐसा करने से रोकने की हिम्मत नहीं है। वे कांग्रेस को कुछ नहीं कह सकते. मैं महाराष्ट्र में इंडिया अलायंस के लोगों को चुनौती देता हूं कि वे कांग्रेस के युवराज के मुंह से वीर सावरकर के बारे में पांच अच्छे वाक्य लेकर आएं। नरेंद्र मोदी ने कहा, कांग्रेस के युवराज द्वारा वीर सावरकर की आलोचना को देखते हुए हमने उनका विरोध किया. हमने नकली शिवसेना की भी आलोचना की. इसके बाद कांग्रेस के सहयोगियों ने नकली शिवसेना के साथ मिलकर कांग्रेस के युवराज से कहा कि बाबा रे अब आपको वीर सावरकर के बारे में बात नहीं करनी चाहिए. तब से कांग्रेस के युवराज ने सावरकर के बारे में कुछ नहीं कहा है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जब देश में कांग्रेस की सरकार थी, तब देश में आतंकवादी याकूब मेमन की कब्र बनाई गई थी. यह वही कांग्रेसी हैं जो राम मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार कर देते हैं और लगातार राम मंदिर को लेकर अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हैं। मैं प्रदेश की जनता से पूछना चाहता हूं कि

क्या आप कांग्रेस के इस सारे व्यवहार से सहमत हैं? क्या आप उन्हें वोट देंगे? इस चुनाव में आप इंडिया अलायंस के नेताओं को सजा देंगे या नहीं? मैं चाहता हूं कि आप इस चुनाव में यह सब करने वाली कांग्रेस को दंडित करें, ताकि वे दोबारा ऐसा पाप करने की हिम्मत न करें। पीएम मोदी ने कहा कि आपने पिछले 10 साल में मेरा काम देखा है और अब मैं आपके पास आज आशीर्वाद मांगने के लिए आया हूं, तीसरे कार्यकाल के लिए आशीर्वाद मांगने आया हूं, विकसित भारत बनाने के लिए आशीर्वाद मांगने आया हूं। आपको बता दें कि आगामी 20 मई को पांचवें चरण के तहत लोकसभा चुनाव होने वाला है. इसके लिए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल्याण तथा भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के महायुति के उम्मीदवारों के चुनाव प्रचार के लिए कल्याण आए थे.

पीओके को वापस लेकर रहेगी मोदी सरकार

370 हटने के बाद कश्मीर में शांति है, पीओके में पत्थरबाजी हो रही : शाह

कोलकाता ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को लेकर बड़ा बयान दिया है। शाह ने पीओके में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शनों का जिक्र कर कहा कि पीओके भारत का हिस्सा है और हमारी सरकार पीओके को लेकर रहेगी। साथ ही केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि आज पीओके में पे थरबाजी हो रही है, भारतीय कश्े मीर में नहीं। शाह ने कहा कि साल 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद एक समय अशांत रहे कश्मीर में शांति लौट आई है, लेकिन पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर अब विरोध प्रदर्शनों और आजादी के नारों से गूंज रहा है। पीओके पर कब्जे की मांग का समर्थन नहीं करने के लिए कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधकर शाह ने कहा, मणिशंकर अय्यर जैसे कांग्रेस नेता कहते हैं कि ऐसा नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि उनके पास परमाणु बम है। मैं कहना चाहता हूं कि वह भारत का हिस्सा है, हमारी सरकार पीओके लेकर रहेगी। शाह ने कहा कि वर्तमान लोकसभा चुनाव, इंडियन नेशनल इंक्लूजिव डेमोक्रेटिक अलायंस' (इंडी) गठबंधन के भ्रष्ट नेताओं और ईमानदार राजनेता नरेन्द्र मोदी के बीच चयन करने का चुनाव है। मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहने के बावजूद कभी भी उनके खिलाफ एक पैसे का भी आरोप नहीं लगा। उन्होंने कहा, बंगाल को तय करना है कि वह घुसपैठिये चाहता है या शरणार्थियों के लिए नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का चाहता है। बंगाल को तय करना है कि वह जिहाद के लिए वोट करना चाहता है या विकास के लिए वोट करना चाहता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने नागरिकता संशोधन कानून का विरोध करने और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए 'घुसपैठियों के समर्थन में रैलियां निकालने' के लिए बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की। बता दें कि भाजपा के दिग्े गज नेता लगातार पश्चिम बंगाल का दौरा कर रहे हैं।

रामचरित मानस और पंचतंत्र को यूनेस्को की मान्यता मिली

मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर में शामिल किया गया

नई दिल्ली ।

यूनाइटेड नेशंस एजुकेशनल, साइंटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन (यूनेस्को) ने रामचरित मानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-लोकन को वैश्विक मान्यता दी है।

इन साहित्यिक रचनाओं को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर में शामिल किया गया है। द मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड इंटरनेशनल एडवाइजरी और एग्जीक्यूटिव बोर्ड की तरफ से रिकमेंड किए गए दस्तावेजों को वैश्विक महत्व और यूनिवर्सल वैल्यू के आधार पर इस लिस्ट में शामिल करता है। रीजनल रजिस्टर में शामिल दस्तावेजों को विश्व स्तर पर पहचान बनाने में मदद मिलती है। साथ ही एक देश की संस्कृति दुनिया के कई देशों तक पहुंचती है।

खडगे ने कसा पीएम पर तंज, कहा-

मोदी संविधान बदलने की बात करने वाले नेताओं को निलंबित क्यों नहीं करते

नई दिल्ली ।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन लोगों को अपनी पार्टी से निलंबित क्यों नहीं करते जो संविधान बदलने की बात करते हैं।

अगर आप अपने साहस के बारे में इतनी बात करते हैं, आपके पास पहले से ही 56 इंच का सीना है, तो आप उन्हें क्यों नहीं डराते, उन्हें पार्टी से निलंबित क्यों नहीं करते? यह संविधान, देश और लोकतंत्र को बचाने के लिए है। खडगे ने बुधवार को लखनऊ में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में ये बातें कहीं।

खडगे ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत, भाजपा नेता अनंत कुमार हेगड़े के अलावा उत्तर प्रदेश में भाजपा के कई नेताओं ने संविधान बदलने की बात कही लेकिन प्रधानमंत्री ने उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की।उन्होंने कहा, हमारे आरएसएस नेता मोहन भागवत ने कहा कि अगर वे सत्ता में आए तो संविधान में बदलाव लाएंगे।

कर्नाटक में एक अन्य नेता ने कहा कि संविधान बदलने के लिए उन्हें दो-तिहाई बहुमत की जरूरत है। खडगे ने कहा, उत्तर प्रदेश के नेता संविधान बदलने की बात इतनी बार करते हैं कि मुझे आश्चर्य होता है कि पीएम मोदी चुप रहते हैं। बीजेपी द्वारा चुनाव प्रक्रिया के कथित दुरुपयोग के बारे में बोलते हुए खडगे ने कहा, जहां भी बीजेपी के बड़े नेता चुनाव लड़ रहे हैं, वहां विपक्षी पार्टी के नेताओं को नामांकन दाखिल करने से रोका जा रहा है।

वे हमारे चुनाव एजेंटों को भी धमका रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने हैदराबाद में देखा कि बीजेपी की एक महिला उम्मीदवार बुर्का हटाकर महिलाओं की पहचान की जांच कर रही थीं। क्या इसी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराए जाते हैं?

आप डर पैदा करके कैसे चुनाव करा सकते हैं? उन्होंने कहा, यहां समान स्तर का खेल मैदान होना चाहिए।

ईडी के समन के खिलाफ

केजरीवाल की याचिका को अदालत ने 11 जुलाई के लिए किया सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी समन को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका को बुधवार को 11 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता वाली पीठ ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता को ईडी के उत्तर पर प्रत्युत्तर देने के लिए चार और सप्ताह का समय दिया। केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए उच्चतम न्यायालय ने एक जून तक अंतरिम जमानत दी है। ईडी के वकील ने पहले कहा था कि केजरीवाल को अंतरिम संरक्षण नहीं प्रदान करने के उच्च न्यायालय के आदेश के पश्चात धनशोधन मामले में 21 मार्च को एजेंसी द्वारा उनकी गिरफ्तारी के बाद समन के खिलाफ याचिका बेकार हो जाती है। ईडी के वकील ने बुधवार को कहा कि याचिकाकर्ता को वह मंच चुनना चाहिए जहां वह अपने मुद्दे उठाएंगे। अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने आप नेता की गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी याचिका खारिज करते हुए पहले ही उनकी शिकायतों को देखा है और फैसले के खिलाफ अपील शीर्ष अदालत में लंबित है। पीठ में न्यायमूर्ति मनोज जैन भी शामिल थे। हालांकि, केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विक्रम चौधरी ने कहा कि धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों को पढऩे के संदर्भ में याचिका में उठाए गए प्रश्नों पर एकल न्यायाधीश ने फैसला नहीं किया है। उन्होंने अदालत से प्रत्युत्तर (रिजॉइन्डर) के लिए और समय मांगा। इससे पहले अदालत ने 22 अप्रैल को केजरीवाल को जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने उन्हें ईडी द्वारा नौवां समन जारी किये जाने के मद्देनजर उच्च न्यायालय का रुख किया था। उस समन में, उनसे 21 मार्च को ईडी के समक्ष पेश होने को कहा गया था।

तापमान में उतार-चढ़ाव से राह भटक सकता है मानसून

बंगाल की खाड़ी में लगातार हो रहे हैं मौसमी बदलाव

नई दिल्ली।

देश के कुछ राज्यों में भयानक गर्मी हो रही है। उधर समुद्री सतह का तापमान भी बढ़ा हुआ है। समंदर के सतह की गर्मी ऊपर की ओर बढ़ रही है। यानी देश के उत्तरी इलाकों की तरफ। बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पश्चिम और दक्षिण पूर्व में तापमान 31 से 32 डिग्री सेल्सियस चल रहा है। यही हालात अंडमान सागर के भी हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पास समुद्री सतह का तापमान अत्यधिक 32 डिग्री सेल्सियस पर चल रहा है। समंदर के इतना गर्म होने का असर मॉनसून और बारिश के मौसम पर पड़ेगा। इससे समुद्री जीवन भी प्रभावित होगा। इससे मानसून

मुसीबत ये है कि इससे बंगाल की खाड़ी के ट्रॉपिकल सिस्टम पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। कुछ दिन पहले ही बंगाल की खाड़ी के पूर्वी इलाके में पर डीप एटमॉस्फियरिक कन्वेक्शन देखने को मिला है। यानी भूमध्यरेखा से आने वाले मौसमी हवाओं का सामना बंगाल की खाड़ी के कन्वेक्शन से तेजी से हो रहा है। इसकी वजह से बहुत ज्यादा मात्रा में नमी बनेगी। ये लगातार बढ़ती चली जाएगी। इससे वायुमंडलीय बदलाव होगा। इस इलाके के आसापास जलवायु परिवर्तन होगा, वो भी बेहद तेजी से।

माना जा रहा है कि 17 मई को बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी हिस्से में मॉनसून का जन्म होगा। मॉनसून के एक वायुमंडलीय क्रॉस-इक्वेटोरियल फ्लो है। इसी से शुरूआत होती है मॉनसून की। फिर यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से विकसित होकर दक्षिण-पूर्व खाड़ी की तरफ फैलता है।

बंगाल की खाड़ी के लिए 20 मई जरूरी

20 मई 2024 तक बंगाल की खाड़ी में इसकी वजह से ट्रॉपिकल सिस्टम विकसित हो जाएगा। इससे आसपास के इलाकों में जलवायु परिवर्तित होगा। अलग-अलग समय पर लेकिन तेज बारिश आ सकती है। जो बंगाल की खाड़ी की तरफ से बढ़ते हुए भारत की जमीन की तरफ बढ़ेगा। इसके अलावा देश की मुख्य जमीन पर मौसमी हरकतें शुरू होंगी। समुद्री सतह के बढ़ते तापमान की वजह से दक्षिण भारत का मौसम तेजी से बदलेगा। लगातार समुद्री सतह का तापमान बढ़ा हुआ है। इसके अलावा बंगाल की खाड़ी के ऊपर वायुमंडलीय स्थितियां ठीक नहीं हैं। उनमें भी तेजी से बदलाव हो रहा है। देश में कई स्थानों पर स्थानीय स्तर मौसम बदला हुआ है।

इस बार जो सबसे बड़ा बदलाव है, वो ये है कि देश के दक्षिणी हिस्से में आने से पहले मॉनसून बंगाल की खाड़ी के पूर्वी हिस्से की तरफ बढ़ जाए।

मॉनसून से पहले कई स्थानों पर बारिश

लेकिन यह घुमाव फिर से सही हो जाएगा, क्योंकि समुद्री सतह का तापमान और वायुमंडलीय बदलाव बंगाल की खाड़ी और उसके आसपास के इलाकों लोकल लेवल पर मौसम बदलेंगे। इससे कुछ स्थानों पर मॉनसून से पहले बारिश हो सकती है। लेकिन इनमें बदलाव भी हो सकता है।

संपादकीय

घटे नहीं मतदान

लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत में गिरावट का सिलसिला जारी रहना चिंताजनक और विचारणीय है। मतदान के अभी तक जो आंकड़े सामने आए हैं, 13 मई को 10 राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में चौथे चरण में 96 संसदीय सीटों पर 67.25 प्रतिशत मतदान हुआ है। पिछले चुनाव से तुलना करें, तो इस बार मतदान 1.55 प्रतिशत कम हुआ है। पश्चिम बंगाल राज्य में सबसे ज्यादा 78 फीसदी मतदान हुआ है, जबकि बिहार में सबसे कम। आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और झारखंड में भी 65 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ है, बाकी जगह मतदान का कम होना अच्छी बात नहीं है। हां, जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर सीट के लिए सोमवार को हुए मतदान में 37 प्रतिशत से ज्यादा मत पड़े हैं, यह एक बड़ी कामयाबी है। अनुच्छेद 370 के हटने के बाद मतदान का बढ़ना बहुत सकारात्मक परिवर्तन है। कश्मीर में पिछले चुनाव में मतदान 15 प्रतिशत भी नहीं हुआ था। वर्ष 1996 के बाद यह मतदान का सर्वाधिक प्रतिशत है। कश्मीर में लोग मतदान का महत्व समझ गए हैं और अब वहां मतदान प्रतिशत चुनाव-दर-चुनाव बढ़ता जाएगा। समग्रता में देश में मतदान प्रतिशत का घटना चुनाव आयोग और पूरी राजनीतिक बिरादरी के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। चुनाव आयोग को अपने स्तर पर मतदान बढ़ाने के ज्यादा प्रयास करने चाहिए। मतदाता पहचान पत्र बनाने, संशोधन कराने से लेकर मतदाताओं के साथ आयोग का जुड़ाव भी बढ़ना चाहिए। मतदाता पहचान पत्र बनाने की बाध्यता का न होना भी एक वजह है। बड़ी संख्या में लोग हैं, जो पहचान पत्र बनाने के लिए भी आगे नहीं आते हैं और व्यवस्था भी इतनी सहज नहीं है कि आसानी से पहचान पत्र बन जाए। आयोग को और आगे बढ़कर मतदाताओं तक पहुंचना होगा। राजनीति की अपनी सीमाएं हैं, उससे अनेक लोगों का मोहभंग भी हुआ है। घर-घर जाकर प्रचार में भी कमी आई है। आबादी बहुत ज्यादा हो गई है और किसी भी प्रत्याशी के लिए अपने क्षेत्र के तमाम मतदाताओं तक पहुंचना आसान नहीं रह गया है। पार्टियों का डाटाबेस भी कमजोर है, तो डिजिटल तरीकों से उन्हें मतदाताओं तक पहुंचने में ज्यादा सुविधा नहीं होती है। जब प्रचार खर्च की तय सीमा है, तब डिजिटल माध्यम से मतदाताओं तक पहुंचने के तरीके राजनीतिक दलों को खोजने ही पड़ेंगे। डिजिटल स्तर पर सभी दलों को अपने प्रति जन-विश्वास भी बढ़ाना होगा। अभी फर्जी खबरों का बहुत सहारा लिया जा रहा है, इससे भी नेताओं की जनता से दूरी बढ़ रही है। असत्य बोलने वालों या अपनी बात पर न टिकने वालों से लोग दूरी बनाना ही पसंद करते हैं, इस बढ़ती दूरी को कम करने की जरूरत है, ताकि देश में कम से कम 75 प्रतिशत मतदान तो हो सके। खैर, देश में लगभग 70 प्रतिशत चुनाव संपन्न हो चुका है। मतदान के अब अपेक्षाकृत छोटे-छोटे तीन चरण बचे हैं। इन तीन चरणों में ज्यादा मतदान की उम्मीद है। मतदान 20 मई, 25 मई और 1 जून को होगा और उसके बाद 4 जून को मतगणना होगी। समग्रता में देखें, तो मतदान बहुत कम नहीं है, पर एक विकसित होते देश के अनुरूप नहीं है। युवाओं के देश में मतदान के प्रति उदासीनता निंदनीय है। मतदान के महत्व को समझने की जरूरत है। मतदान लोकतंत्र में हमारी भागीदारी का प्रमाण है। मतदान से देश के प्रति हमारे कर्तव्य और नैतिकता को बल मिलता है। देश की नाना समस्याओं पर बोलने और हक मांगने के लिए भी ज्यादा से ज्यादा मतदान करना मददगार होता है।

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

रोकथाम की पूर्व तैयारी से थमेगी वनों की आग

वीके बहुगुणा

पिछले बरसों की भांति इस साल भी भारत के विभिन्न इलाकों के जंगल में आग धधक रही है। उत्तराखंड में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है जहां पर हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र में आग लगी हुई है। पहाड़ी सूबों के जंगलों में लगी आग के कारण स्थिति संकटमयी हो गई है। यह एक जाना-माना तथ्य है कि भारत में नवम्बर और जून माह के बीच वनों में आग लगती रहती है। इसकी रोकथाम के लिए यथेष्ट तैयारियां पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि घटना घटने पर लपटों पर तुरत-फुरत काबू पाया जा सके। यह भी हकीकत है कि इस समस्या से निपटने में प्रशासन को खासी मुश्किलें आड़े आती हैं। अधिकारी अपनी जिम्मेवारी से बचने के लिए आग लगने का दोष शुष्क मौसम या असामाजिक तत्वों पर डालकर पल्ला झाड़ लेते हैं। उत्तराखंड और भारत में अन्य जगह वनीय अग्निकांड का प्रबंधन करने में सरकारों की असफलता स्पष्ट तौर पर पूर्व-प्रबंध तैयार न रखने और प्रशासन की अक्षम्य कोताही का नतीजा है। वर्ष 2022 में जारी भारत वन सर्वेक्षण (एफएसआई) रिपोर्ट-2021 बताती है कि वर्ष 2021 में देशभर में वनीय आग के 3,45,989 मामले दर्ज हुए, जो कि अब तक के रिकॉर्ड में सबसे अधिक हैं। यह मामले 2019 के मुकाबले लगभग 1 लाख अधिक थे। इस रिपोर्ट से पर्यावरण, वन एवं मौसम मंत्रालय और देशभर की राज्य सरकारों के कान खड़े हो जाने चाहिए थे। हमें इतनी समझ होना जरूरी है कि वनीय स्रोत मनुष्य के साथ-साथ समस्त वनीय जीवन के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। जंगलों में साल-दर-साल लगने वाली आग का पर्यावरणीय संतुलन और अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले विनाशकारी परिणामों से निपटने के उपायों को लेकर बातें तो बहुत की जाती हैं लेकिन जैसे ही इंद्रदेव की कृपा से आग बुझी, सब कुछ भुला दिया जाता है। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय में अपने कार्यकाल (1997-2002) के दौरान मैंने देश के लिए एक वन अग्निशमन रणनीति तैयार की थी और इनसे होने वाले वार्षिक नुकसान की गणना की। मैंने इंडोनेशिया के बागोर में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय विचारगोष्ठी में भाग लिया था, उस वक्त 1999 में देश के कोयला खान युक्त वनों में आग लगी थी। इस बैठक में सर्वसम्मति बनी कि आग लगने पर बुझाने के यत्न करने से बेहतर है रोकथाम के उपाय पहले करके रखना क्योंकि एक बार आग ने दावानल का रूप धर लिया तो कितनी भी मशीनरी और संसाधन झोंक दें, काबू पाना असंभव है। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने वर्ष 2001 में नए दिशा-निर्देश जारी किए और आग बुझाने के तरीकों में हवाई जहाज और हेलीकॉप्टरों का उपयोग करने का विचार त्याग दिया। वह इसलिए भी कि भारत में कनाडा, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जितने विशालकाय जंगल नहीं हैं, और वहां पर अग्निशमन के लिए हवाई जहाजों से विशेष झाग बरसाने के साथ उपकरणों से लैस तगड़ी अग्निशमन कार्रवाई की जाती है। तब यह निर्णय लिया गया कि भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग को उपग्रह का इस्तेमाल करने के लिए विशेष फंड दिया जाए ताकि आग की शिनाख्त होते ही संबंधित विभाग को तुरंत सतर्क किया जा सके। यह तरीका आज भी अमल में है, तदनुसार आग की घटना का पता चलते ही भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग संबंधित कर्मियों को सूचना देता है। प्रत्येक वन संभाग को नवम्बर माह से पहले आग लगने की संभावित जगहों और उसके आसपास की जमीन पर फैली अग्नि ग्राह्य सामग्री को हटाना, उपकरण एवं मशीनरी की जांच और मरम्मत कर तैयार-बर-तैयार रखना होता है। नवम्बर माह से पहले हरेक वन-संभाग और वन-प्रखंड को अग्नि रोकथाम रणनीति तैयार रखनी पड़ती है- इसमें अधिक जोखिम वाले इलाकों को चिन्हित करना शामिल है- संकट का आकलन करना, पूर्व चेतावनी व्यवस्था बैठाना और व्यावहारिक रूप से सुनिश्चित करना जैसे कि शमन उपकरण, पानी की मश्कें इत्यादि तैयार रखना। बस्तियों के आसपास के वनीय क्षेत्र में आपदा प्रबंधन की पूर्व-रूपरेखा बनाना। संयुक्त वनीय प्रबंधन या वन पंचायतों के लिए विशेष फंड जारी किए गए ताकि आग लगने के मौसम में गांववासियों की मदद ली जा सके। राज्य सरकारों से भारतीय वन कानून के अनुच्छेद 79 को लागू करने के निर्देश दिए गए, जिसके तहत गांववासियों और सरकारी कर्मचारियों का कानूनी कर्तव्य है कि आग लगने की सूचना दें और काबू करने में मदद करें और इसके लिए चिन्हित क्षेत्रों में टीमें भी तैयार-बर-तैयार रखी जाएं। मंत्रालय के लिए हर साल इन दिशा-निर्देशों की पुनर्समीक्षा और आकलन करते रहना जरूरी है। यदि प्रक्रिया पहले से तयशुदा और अपनी जगह हो, तब राज्य सरकारें हर बार आग लगने पर खुद को असहाय कैसे महसूस कर सकती हैं। आग की निगरानी और पूर्व-तैयारियों में कोताही की वजहों और दोषियों को ढूंढना राज्य सरकारों का जिम्मा है। यदि राज्य प्रशासन और वन अधिकारी तय हो चुके प्रतिरोधक उपायों और संहिता पर कड़ाई से अमल करें और साथ ही यथेष्ट उपकरण, मानव शक्ति, धन और अग्निरोधक एवं आपदा नियंत्रण उपायों पर निरंतर नज़र बनाए रखें तो अधिकांश वनीय आग की रोकथाम या उस पर जल्द-से-जल्द काबू पाया जा सकता है। आग पकड़ने वाली सामग्री और मानव की दखलअंदाजी का प्रबंधन एक मुख्य कारक है और आग लगने का मौसम शुरू होने से पहले और इसके दौरान, पंचायतों एवं स्थानीय लोगों को साथ जोड़कर पूर्वाभ्यास और निगरानी का इंतजाम करके अग्नि घटनाओं को नगण्य किया जा सकता है। मानक कार्यकारी प्रक्रिया की समीक्षा करते रहना जरूरी है और प्रत्येक राज्य के मुख्यमंत्री का ध्यान इस तरफ विशेष रूप से होना आवश्यक है क्योंकि फिलहाल ऐसा लगता है कि केवल उनके स्तर पर तंत्र से काम करवाया जा सकता है। देश में वनीय आग की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी, रोकथाम और पूर्व-तैयारियों को सख्ती से लागू करवाने के लिए प्रधानमंत्री और पर्यावरण मंत्रालय के लिए नौकरशाहों को खींचकर रखना और सख्त कदम उठाना आवश्यक है। पहाड़ी सूबे उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश पर विशेष ध्यान देना होगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सक्रियता देखकर नौकरशाही भी काम पर जुटी है और जमीनी स्तर पर इसके परिणाम दिखने लगे हैं। हालांकि बहुत बड़ा नुकसान पहले हो चुका है। तमाम राजनीतिक दल लोगों को जागरूक करें और वनों को आग लगाने के दुष्परिणामों के बारे में आगाह करें। पिछले कुछ सालों से वास्तविक धरातल पर वन निरीक्षकों की कोताही और अकर्मण्यता सर्वविदित है। उत्तराखंड के वनीय क्षेत्र में वन-रक्षकों और अरण्यपालों की नाक के तले हजारों की संख्या में उभरे धार्मिक स्थलों ने हजारों हेक्टेयर वनीय भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया। इस पर कार्रवाई तब जाकर हुई जब मामला लगातार प्रधानमंत्री कार्यालय से उठाया गया। मुख्यमंत्री ने पहल करते हुए कुछ सौ ढांचों को तुड़वाया। तथापि फील्ड अधिकारी या रेंज इंचार्ज या संभाग अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। व्यवस्था में प्रत्येक की जिम्मेवारी और सुशासन देना तय हो, और उत्तराखंडवासी यही होते देखना चाहते हैं।

लेखक भारतीय वन अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक रहे हैं।

मोदी बनाम मुद्दा बना चुनावी विमर्श

लेखक-तनवीर जाफ़री

देश में 18 वीं लोकसभा निर्वाचित करने का चुनावी दौर जैसे जैसे आगे बढ़ता जा रहा है वैसे वैसे चुनावी माहौल में भी तल्ख़ी बढ़ती जा रही है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंह से ऐसी तमाम बातें सुनी जा रही हैं जिसकी देश के प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति से उम्मीद भी नहीं की जा सकती। वैसे तो प्रधानमंत्री पद पर बैठते ही मोदी ने अपने बड़पोलेपन और झूठ से देश और दुनिया को आश्चर्य चकित करना शुरू कर दिया था। परन्तु उससे भी बड़े आश्चर्य की बात तो यह कि उन्होंने अपने इस बड़पोलेपन,झूठ और अवैज्ञानिक बातों पर विराम लगाने के बजाये इसे और भी बढ़ाना शुरू कर दिया। शायद उन्होंने देश की जनता को मूर्ख और अनपढ़ समझ रखा था। नाली से गैस निकालकर चाय बनाना,ट्रैक्टर के ट्यूब में गोबर गैस भरकर उससे इंजन चलाकर खेतों की सिंचाई करना, बादल में रडार का काम न करना जैसी अनेक बेतुकी व तथ्यविहीन बातें बोलकर प्रधानमंत्री ने अपने पद की गरिमा को दाग़दार किया। इसके अतिरिक्त उनका दूसरा प्रिय मिशन रहा गांधी नेहरू परिवार का निम्न स्तर तक विरोध,कांग्रेस मुक्त भारत की उनकी दिली मनोकामना, मुसलमानों का हद दर्जे तक विरोध और विपक्षी नेताओं विशेषकर कांग्रेस नेता राहुल गाँधी द्वारा बोली गयी बातों को अपनी सुविधा के हिसाब से ट्विस्ट देना और बात का बतंगड़ बना देना। मिसाल के तौर पर राहुल गाँधी ने 21 मार्च को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के समापन के अवसर पर मुंबई के शिवाजी पार्क में एक रैली को संबोधित करते हुये कहा था, कि ''हिन्दू धर्म में शक्ति शब्द होता है। हम शक्ति से लड़ रहे हैं...एक शक्ति से लड़ रहे हैं। बाद में उन्होंने शक्ति शब्द की और व्याख्या करते हुये कहा कि - वह शक्ति क्या है? हमारी लड़ाई 'नफ़रत भरी आसुरी शक्ति' के ख़िलाफ़ है। 'हमारी आसुरी शक्ति से लड़ाई हो रही है, नफ़रत भरी आसुरी शक्ति से ।'परन्तु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'शक्ति' शब्द का प्रयोग अपनी सुविधानुसार करते हुये कहा कि उनके लिए हर मां-बेटी 'शक्ति' का स्वरूप है और वह उनके लिए अपनी जान की बाज़ी लगा देंगे। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं जिससे यह साबित होता है कि मोदी सिर्फ़ फ़ुजूल की बातों में लोगों को उलझाकर जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं।

परन्तु 2024 के इस ऐतिहासिक चुनाव में इंडिया गठबंधन के नेता विशेषकर राहुल व प्रियंका गांधी अपने चुनाव प्रचार अभियान को जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर केंद्रित करने में पूरी तरह सफल रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि कांग्रेस नेता, मोदी की घटिया व निम्नस्तरीय बातों से भी लोगों को अवगत कराकर यह बताने में भी सफल रहे हैं कि जनता से मोदी का निरर्थक इकतरफ़ा संवाद दरअसल जनता का ध्यान भटकाने के लिये है। और यह भी कि प्रधानमंत्री कि इस तरह की संवाद शैली देश के प्रधानमंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति के लिए अशोभनीय है तथा देश की बदनामी का सबब भी है। साथ ही विपक्ष जनता को यह बताने में भी कामयाब हुआ है कि किस तरह मोदी फ़ुजूल की बातों में लोगों को उलझाकर और लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ कर जनसरोकार से जुड़ी वास्तविक समस्याओं से लोगों का ध्यान भटकने की कोशिश कर रहे हैं। जब मोदी कहते हैं कि कांग्रेस ने 70 वर्षों में देश के लिये कुछ बनाया ही नहीं तो प्रियंका गाँधी उसके जवाब में मोदी से ही पूछ रही हैं कि जिन दर्जनों सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पी एस यू) को आप अपने चंद मित्रों के हवाले कर रहे हैं वह कांग्रेस के नहीं तो किसके बनवाये हुये हैं ? विपक्ष मोदी से उन्हीं के वादों को याद दिलाते हुये यह भी पूछ रहा है कि 10 साल पहले आपने लोगों के खाते में 15 लाख रुपये डालने को कहा था, वह क्यों नहीं आये ? जबकि चंद पूंजीपतियों के 16 लाख करोड़ रुपये क़र्ज़ मुआफ़ कर दिये गये ? कहाँ हैं आपके वादे के 10 वर्ष पूर्व घोषित किये गये 100 स्मार्ट सिटी ? कहाँ हैं आपके वादों के 2 करोड़ रोज़गार ? 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वचन कहां गया ? आर जे डी नेता तेजस्वी यादव ने तो अपने चुनाव प्रचार के दौरान एक नये तरीक़े का प्रयोग किया। उन्होंने पूर्व में नरेंद्र मोदी द्वारा जनता से किये गए वादों का एक ऑडियो उन्हीं की आवाज़ में अपनी जनसभा में सुना डाला। अपनी तरह का यह अनूठा प्रयोग था। मोदी को उन्हीं के वादों की याद दिलाकर उन्हें कटघरे में खड़ा करना कितना विपक्ष के लिये कितना कारगर साबित हो रहा है इसका अंदाज़ा चुनाव प्रचार अभियान के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के दिनोंदिन बिगड़ते जा रहे लहजों व उनके द्वारा उठाये जा रहे निरर्थक व बचकाना क़िस्म के मुद्दों से लगाया जा सकता है। कभी कहते हैं कि कांग्रेस के लोग मटन बनाने का मौज ले रहे हैं। कभी बोलते हैं कि अगर आपके पास दो भैंस है तो कांग्रेस उसमें से एक भैंस छीन कर ले जाएगी। कभी कांग्रेस व विपक्षी गठबंधन को हिन्दू विरोधी बताते हुये कहते हैं कि यह हिन्दू धर्म को ख़त्म करना चाहते हैं। तो कभी यह कि कांग्रेस सत्ता में आयी तो क्रिकेट टीम में मुसलमानों को भर देगी। यहाँ तक कि कांग्रेस सत्ता में आयी तो बहनों का मंगल सूत्र छीन लेगी और आपका सोना ले लेगी। यानी अजीब अजीब सी बदहवासी भरी बातें जिसका राजनीति से कोई वास्ता ही नहीं, इसतरह की बातें कर वह उन सवालों से बचना चाहते हैं जो जनता के वास्तविक सवाल हैं। नरेंद्र मोदी के फ़ुजूल,निम्नस्तरीय,ग़ैर राजनैतिक व साम्प्रदायिक विद्वेष से भरे बयान निश्चित रूप से इस बात का सुबूत हैं कि वे विपक्ष द्वारा उठाये जा रहे जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों के सामने बौखला से गए हैं। जब कांग्रेस व इण्डिया गठबंधन सत्ता में आने पर अग्निवीर योजना ख़त्म कर सैनिकों की पूर्ववत भर्ती करने की बात करती है तो देश के युवाओं में उम्मीद जगती है। किसानों के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य का क़ानून बनाने की बात कर विपक्ष किसानों में आस जगाता नज़र आता है। कांग्रेस पार्टी की 5 गारंटी ने तो नरेंद्र मोदी को इतना असहज कर दिया है कि वह बौखला कर कांग्रेस के घोषणा पत्र को मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र बताने लगे हैं। बेशक यह हालात इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफ़ी हैं कि विपक्षी इंडिया गठबंधन चुनावी विमर्श को मोदी बनाम मुद्दा बनाने में पूरी तरह कामयाब रहा है।

विचार मंथन

जनता परेशान, कंपनियां मालामाल, महंगाई ने बनाया रिकॉर्ड

(लेखक- सनत जैन)

थोक महंगाई पिछले 13 महीने के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई है। पिछले महीने के मुकाबले थोक महंगाई तीन गुना बढ़ गई है। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को जो आंकड़े जारी किए हैं उसके अनुसार पिछले बार की तुलना में थोक महंगाई की दर 1.26 फ़ीसदी बढ़ गई है। मार्च के महीने में यह 0.53 फ़ीसदी थी। पिछले 1 महीने में महंगाई की दर 0.79 फ़ीसदी बढ़ी है। पिछले 13 महीनो में महंगाई का यह सबसे उच्चतम स्तर है। खाद्य पदार्थों की महंगाई 4.65 फ़ीसदी से बढ़कर 5.32 फ़ीसदी हो गई है। रोजाना उपयोग में आने वाली खाद्य पदार्थ, तेल साबुन एवं रोजमर्रा के समान की कीमत 4.1 फ़ीसदी से बढ़कर 5.1 फ़ीसदी पर पहुंच गई हैं। खाने-पीने के उत्पाद की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। अप्रैल के महीने में प्याज की कीमतें 59.5 फ़ीसदी बढ़ गई है। आलू के थोक एवं फुटकर भाव बढ़ते ही जा रहे हैं। खाद्य पदार्थ और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमत लगातार बढ़ रही है। इस कारण जनता महंगाई की मार से परेशान है। वहीं कंपनियां मालामाल हो रही हैं। सरकार कहती है, कि खुदरा महंगाई दर में नरमी आ रही है। जब थोक बाजार भाव में लगातार महंगाई बढ़ रही है तब खुदरा कीमतें कैसे कम होंगी, यह आसानी से समझा जा सकता है। उत्पादक कंपनियां महंगाई बढ़ने पर उत्पाद का वजन घटाकर पैकेट की कीमत उतनी ही रखती हैं, जिस कारण लगता है, कि खुदरा महंगाई नहीं बढ़ रही है। लेकिन उपभोक्ता के पास उसी कीमत पर कम वजन का समान पहुंचता है। पैसे ज्यादा लगते हैं और वस्तु कम मात्रा में मिलती है। किसानों का भी यही रोना है। खाद की बोरी में वजन कम हो गया, लेकिन कीमत उतनी ही है। महंगाई बढ़ने के बाद कंपनियों की कमाई और भी बढ़ जाती है। जनता परेशान होती रहती है। दूध-दही से लेकर हर खाद्य पदार्थ के रेट लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। सरकार का प्रचार तंत्र हमेशा जनता को यह बताने की कोशिश करता है, कि खुदरा महंगाई दर नहीं बढ़ रही है। पूंजीवाद के इस युग में पूंजीवादियों ने इसका नया रास्ता निकाल लिया है। पैकेट बंद उत्पाद की कीमत उतनी ही रखी जा रही है, लेकिन उसका वजन लगातार घटाया जा रहा है। इस कारण उपभोक्ताओं को माल कम मिलता है, और उपभोक्ता को कीमत वजन की तुलना में ज्यादा चुकाना पड़ती है। महंगाई बढ़ने से सरकार की कमाई तेजी के साथ बढ़ रही है। महंगाई बढ़ाने में सरकार का भी बहुत बड़ा योगदान है। सरकार की जीएसटी की आय लगातार बढ़ती जा रही है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों से सरकार की आय निरंतर बढ़ रही है। जो भी टैक्स लगता है, वह वस्तु की कीमत पर लगता है। महंगाई बढ़ने से सरकार के सभी विभागों की आय कर के रूप में लगातार बढ़ती ही जा रही है। जीएसटी में रिकॉर्ड तोड़ वसूली सरकार कर रही है। गरीब हो या अमीर सभी को जीएसटी में 12 से 28 फीसदी तक टेक्स देना पड़ रहा है। गरीबों की संख्या ज्यादा है। गरीबी ही सबसे ज्यादा टैक्स देता है। गरीब और मध्यम वर्ग इस महंगाई से सबसे ज्यादा परेशान है। इसका सही फायदा कंपनियों और सरकार को हो रहा है। महंगाई बढ़ने से इन्हीं दोनों को सबसे ज्यादा फायदा होता है। हर कंपनी का तिमाही और वार्षिक मुनाफा पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ता जाता है। लेकिन गरीब और मध्यम वर्ग कर्ज के बोझ से दबता जा रहा है। गरीब और मध्यम वर्ग की आय नहीं बढ़ती है। उसे अपने खर्च को पूरा करने के लिए समान पर कटौती करना पड़ती है। लोगों को पोषण आहार नहीं मिल पा रहा है, जिसके कारण बीमारी का शिकार भी होना पड़ रहा है। महंगाई बढ़ने से सरकार की कमाई निरंतर बढ़ रही है। सरकार ज्यादा से ज्यादा राजस्व प्राप्त करने के लिए महंगाई के प्रति आंख मूंदकर बैठी हुई है। लोकसभा का चुनाव चल रहा है। सरकार को इस बात की भी चिंता नहीं है, बढ़ती हुई महंगाई से कहीं मतदाता नाराज ना हो जाए। जिस तरह के हालात वर्तमान में बन गए हैं, वह गरीब, निम्न एवं मध्यम वर्ग के लिए काफी दुखदाई साबित हो रहे हैं। सरकार को समय रहते महंगाई को नियंत्रित करने की दशा में ठोस उपाय करने चाहिए। सरकार को अपने खर्च को नियंत्रित रखने की जरूरत है। महंगाई आउट ऑफ कंट्रोल होने से कभी भी विस्फोटक स्थिति बन सकती है। सरकार को इस दिशा में ठोस प्रयास करने चाहिए।

सिप्ला के प्रमोटर्स ने बेची 2.53 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली । दवा कंपनी सिप्ला के प्रवर्तकों ने तरलता बढ़ाने के मकसद से कंपनी में 2.53 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है। दवा विनिर्माता ने शेयर बाजार को बताया कि कुछ कंपनी प्रवर्तकों ने 15 मई 2024 को 2,04,50,375 शेयरों की ब्रिकी की है। कंपनी के अनुसार, ''शिरीन हामिद, रुमाना हामिद, समीना हामिद और ओकासा फार्मा प्राइवेट लिमिटेड ने परोपकार सहित विशिष्ट जरूरतों के लिए तरलता बढ़ाने के मकसद से सिप्ला लिमिटेड के 2.53 प्रतिशत शेयर बेचे हैं। इसमें कहा गया कि लेनदेन के बाद समूचे प्रवर्तक समूह की कंपनी में 31.67 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

केनरा बैंक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी सहित 13 कंपनियां इंडिया सूचकांक में शामिल

नई दिल्ली । केनरा बैंक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, एनएचपीसी और जिंदल स्टेनलेस सहित 13 कंपनियों को एमएससीआई इंडिया सूचकांक में शामिल किया जाएगा। सूचकांक का संकलन करने वाले एमएससीआई के अनुसार, बॉश, केनरा बैंक, इंडस टावर्स, जिंदल स्टेनलेस, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, मैनकाइंड फार्मा, एनएचपीसी, पीबी फिनटेक, फीनिक्स मिल्स, सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया, सुंदरम फाइनेंस, थर्मैक्स और टोरेंट पावर एमएससीआई इंडिया सूचकांक में शामिल होने वाली कंपनियां हैं। दूसरी ओर तीन कंपनियां बर्जर पेंट्स, इंद्रप्रस्थ गैस और वन97 कम्युनिकेशंस सूचकांक से बाहर हो गईं। इसमें कहा गया,एमएससीआई (मॉर्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनेशनल) ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स के घटकों में बदलाव 31 मई 2024 को कारोबार के अंत में होगा। सूचकांक में शामिल की गईं कुछ कंपनियां बीएसई पर बढ़त के साथ कारोबार कर रही हैं।

एयरटेल का मार्च तिमाही में मुनाफा 31फीसदी से घटकर हुआ 2,072 करोड़

नई दिल्ली। भारतीय एयरटेल ने अपने मार्च तिमाही के आकड़ों की घोषणा की है। एयरटेल कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका मुनाफा सालाना 31 फीसदी से घटकर 2,072 करोड़ रुपए पर आ गया है। टेलीकॉम भारती एयरटेल कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 की मार्च तिमाही में 3,005.6 करोड़ रुपए का नेट मुनाफ़ा कमाया था। वहीं एयरटेल कंपनी का ऑपरेशंस से कंसोलिडेट रेवेन्यू मार्च तिमाही के दौरान 4.4 फीसदी बढ़कर 37,599.1 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 36,009 करोड़ रुपये था। एयरटेल के प्रबंध निदेशक गोपाल विट्ठल ने कहा कि कंसोलिडेट प्रदर्शन मुख्य रूप से नाइजीरियाई नायरा केडिवैल्युएशन से प्रभावित हुआ है। हमने 78 लाख स्मार्टफोन ग्राहक हो जोड़ा है और 209 रुपए का एआरपीयू कमाया है। इसके अलावा 31 मार्च, 2024 को खत्म हुए वित्त वर्ष भारती एयरटेल का मुनाफ़ा 10.5 फीसदी की गिरावट के साथ 7,467 करोड़ रुपए पर आ गया। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 8,346 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान एयरटेल कंपनी का ऑपरेशंस से सालाना रेवेन्यू 7.7 फीसदी से बढ़कर 1,49,982.4 करोड़ रुपए हो गया, जो 2022-23 में 1,39,144.8 करोड़ रुपए था। एयरटेल बोर्ड ने 2023-24 के लिए पूरी तरह पेड़ अप पांच रुपए के फेस वेल्यू पर आठ रुपए और पांच रुपये वाले फेस वेल्यू पर दो रुपये के फाइनल डिविडेंड की भी सिफारिश की है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद भी एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, सन फार्मा और एचयूएल के शेयरों में बिकवाली से बाजार टूटा है। आज के कारोबार में निवेशकों के सतर्कता बरतने से बेंचमार्क इंडेक्स नीचे आये। वहीं व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स ऊपर आये। सत्र के अंत में बीएसई मिडकैप 0.6 फीसदी और स्मॉलकैप सूचकांक 0.96 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीर शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 117.58 अंक करीब 0.16 फीसदी नीचे आकर 72,987.03 अंक पर बंद हुआ। वहीं, दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज क निफ्टी 17.30 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। निफ्टी दिन के अंत में 22,200.55 अंक पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। इससे पहले आज बाजार बढ़त के साथ खुला। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी से आई हैं। आज सुबह तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 66 अंक करीब 0.09 फीसदी ऊपर आकर 73,171 पर खुला। वहीं इस बीच पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50.37 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी बढ़कर 22,255 पर खुला। आज कारोबार के दौरान सिप्ला, भारती एयरटेल, हिंडाल्को, बीपीसीएल, कोल इंडिया, टाटा स्टील, ओएनजीसी, एनटीपीसी और एसबीआई के शेयरों में उछाल से बाजार को बल मिला। व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में लगभग 1 फीसदी की बढ़त हुई। सेक्टर के हिसाब से निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 1 फीसदी से ज्यादा बढ़ा, इसके बाद निफ्टी मीडिया और मेटल इंडेक्स 0.6 फीसदी उछला।

आज एशियाई बाजारों की बात करें तो निक्केई और एएसएक्स200 आधा फीसदी ऊपर चढ़े जबकि शंघाई कंपोजिट 0.4 फीसदी फिसल गया। दक्षिण कोरिया और हांगकांग के बाजार आज बंद हैं।

अप्रैल में देश का व्यापार घाटा 19.1 अरब डॉलर रहा

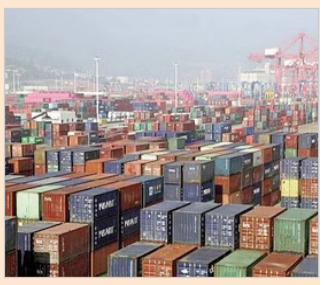

नई दिल्ली । देश का वस्तुओं का निर्यात इस साल अप्रैल में मामूली बढ़कर 34.99 अरब डॉलर रहा है। एक साल पहले सामान अवधि में यह 34.62 अरब डॉलर था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य महीने में आयात भी बढ़कर 54.09 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो अप्रैल, 2023 में 49.06 अरब डॉलर था। अप्रैल में व्यापार घाटा यानी आयात और निर्यात के बीच का अंतर 19.1 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि इन आंकड़ों से नए वित्त वर्ष की शुरुआत अच्छा होने का संकेत मिलता है और इसके आगे भी बने रहने की उम्मीद है। इस साल मार्च में निर्यात 41.68 अरब डॉलर रहा था, जो एक साल पहले इसी महीने में 41.96 अरब डॉलर था।

अडानी ग्रुप के शेयरों में छह फीसदी तक आया उछाल

-गौतम अडानी की नेटवर्थ में 4.22 अरब डॉलर की हुई कमाई

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में वैसे तो आए दिन उतार चढ़ाव देखने को मिलता है लेकिन किसी दिन बाजार में इतना उछाल आता है कि वह कंपनी को मालामाल बना देती है। कुछ ऐसा ही अडानी ग्रुप के शेयरों के लिए मंगलवार का दिन रहा। ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में दो से छह फीसदी तक तेजी आई। इससे ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में 4.22 अरब डॉलर की कमाई हुई। मंगलवार को वह कमाई करने के मामले में सबसे आगे रहे। एक रिपोर्ट के मुताबिक अडानी की नेटवर्थ अब 99.1 अरब डॉलर पहुंच गई है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 15वें स्थान पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 14.8 अरब डॉलर की तेजी आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 109 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 11वें नंबर पर हैं। मंगलवार को उनकी नेटवर्थ में 1.58 अरब डॉलर की तेजी आई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 12.4 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस तरह दोनों की नेटवर्थ में 10 अरब डॉलर से भी कम अंतर रह गया है। देश में चल रहे लोकसभा चुनाव में बीजेपी की जीत की संभावना बढ़ने से अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई । ग्रुप के शेयरों में 2फीसदी से 6फीसदी तक की तेजी आई। अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पावर और अडानी टोटल गैस में 5फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। एक शोध प्रमुख ने कहा कि बाजार में दिन के दौरान तेजी के बाद हमने अडानी ग्रुप की कंपनियों में तेजी देखी, क्योंकि इस बात के दावे बढ़ रहे हैं कि मौजूदा सरकार को मजबूत बहुमत मिलेगा। बीजेपी की सरकार में वापसी से अडानी ग्रुप के सबसे ज्यादा फायदा मिलने की उम्मीद है।

कमाई के मामले में टीसीएस से आगे निकली टाटा मोटर्स

नई दिल्ली।

टाटा ग्रुप की वाहन कंपनी टाटा मोटर्स को पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 17,583 करोड़ रुपए का कुल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो समूह की प्रमुख कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के 12,434 करोड़ रुपए के शुद्ध मुनाफे से बहुत अधिक है। 2024 की मार्च तिमाही में टाटा मोटर्स का शुद्ध लाभ साल भर पहले के 5,573.8 करोड़ रुपए से 213.7 फीसदी बढ़ा है। टीसीएस का शुद्ध मुनाफा पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 9.1 फीसदी बढ़ा है। टाटा ग्रुप की एक और बड़ी कंपनी टाटा स्टील के चौथी तिमाही के नतीजे अभी आने बाकी हैं। टाटा ग्रुप की जिन 16 कंपनियों के नतीजे आए हैं, उनका जनवरी-मार्च 2024 का कुल शुद्ध मुनाफा साल भर पहले की तुलना में 64 फीसदी से बढ़कर 33,217 करोड़ रुपये रहा है। दस साल में यह पहला मौका है, जब टाटा मोटर्स ग्रुप की मुनाफे वाली कंपनियों में सबसे ऊपर रही है। इससे पहले वित्त वर्ष 2015 की पहली तिमाही में टाटा मोटर्स मुनाफे के मामले में सबसे आगे रही। तब कंपनी को 5,330.6 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ और टीसीएस का शुद्ध मुनाफा 5,186.60 करोड़ रुपए और टाटा स्टील का शुद्ध मुनाफा 400.60 करोड़ रुपए रहा था। चौथी तिमाही में टाटा मोटर्स के मुनाफे के बाद भी पूरे साल के हिसाब से टीसीएस ही टाटा ग्रुप की सबसे मुनाफेदार कंपनी बनी। वित्त वर्ष 2024 में टीसीएस का कुल शुद्ध मुनाफा 46,625 करोड़ रुपए रहा, जबकि टाटा मोटर्स के लिए आंकड़ा 32,078 करोड़ रहा। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस पिछले कुछ समय से टाटा मोटर्स में लगातार पूंजी डाल रही है, जिससे कंपनी की वित्तीय सेहत में काफी सुधार हुआ है। टाटा मोटर्स में ही टाटा संस ने सबसे ज्यादा 22,658 करोड़ रुपए का इक्विटी निवेश किया। टाटा मोटर्स मजबूत होने से टाटा संस के लिए ग्रुप के नए उपक्रमों जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, ई-कॉमर्स तथा विमानन में और निवेश करना आसान हो जाएगा। 2021 में जब पूरी दुनिया में स्टील के दाम चढ़ रहे थे तब टाटा स्टील सबसे मुनाफेदार कंपनी हो गई थी। वित्त वर्ष 2022 की चार में से तीन तिमाही में टाटा स्टील का मुनाफा टीसीएस से

ज्यादा रहा था। समूचे वित्त वर्ष में टाटा स्टील ने 40,238 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था, जबकि टीसीएस का मुनाफा 38,327 करोड़ ही रहा था। ऐसे एक-दो मौके छोड़ दें तो पिछले 15 साल में टीसीएस ही टाटा ग्रुप की सबसे मुनाफे वाली कंपनी रही। इसे 2003 में टाटा संस से अलग किया गया और आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने के बाद जुलाई 2004 में स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कराया गया था। आंकड़े बताते हैं कि टाटा मोटर्स के लिए टाटा ग्रुप की सबसे मुनाफेदार कंपनी बने रहना कठिन होगा क्योंकि पिछले दशक में उसके मुनाफे में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। विश्लेषकों के अनुसार टाटा मोटर्स का अच्छा दौर पीछे छूट गया है और मुनाफे की यह रफ्तार बनाए रखना उसके लिए मुश्किल होगा।

सिनेमाघरों में आईसीसी पुरुष टी20 के प्रमुख मैंच दिखाने की तैयारी में पीपीआर आईनोक्स

मुंबई ।

दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए भारत का सबसे बड़ा सिनेमा ऑपरेटर पीपीआर आईनोक्स एक अनोखा तरीका अपना सकता है। चूंकि फिल्में बॉक्स ऑफिस पर लगातार फीकी पड़ रही हैं, इसलिए ये सिनेमाघर आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के दौरान प्रमुख मैच दिखाने पर विचार कर रहे हैं। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी नितिन सूद ने बताया कि कंपनी अगले माह से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप के अहम मैच दिखाएगी। उनका मानना है कि भारत में बेहद लोकप्रिय टी20 क्रिकेट पिछले साल अक्टूबर में हुए एक दिवसीय विश्व कप की तुलना में सिनेमाघरों में ज्यादा दर्शक खींचेगा। दर्शकों की कमी से दो-चार हो रहे पीवीआर आईनॉक्स ने सिनेमाघरों में फिर से चहल-पहल लाने के लिए नई रणनीति तैयार की है। सूद ने कहा, तिमाही नतीजों में 130 करोड़ के घाटे के कारण कंपनी सिर्फ फिल्मों पर निर्भर न रहकर कॉन्सर्ट, खेल और खास कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। इसके अलावा भारतीय दर्शकों को लुभाने के लिए के-पॉप परफॉर्मेंस लाने पर भी विचार किया जा रहा है। हालांकि एक साल पहले के मुकाबले में मार्च तिमाही के घाटे में कमी आई है, फिर भी फिल्मों की रिलीज में देरी (चुनाव के बाद) को धीमी वृद्धि का कारण माना जा रहा है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्मों की बढ़ती लोकप्रियता सिनेमाघरों के लिए चुनौती बनी हुई है। मूवी स्क्रीन चेन, जो पिछले साल दो बड़ी कंपनियों के विलय से बनी है, को दर्शकों को आकर्षित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। नेटफ्लिक्स, अमेज़ॅन प्राइम और जियो सिनेमा जैसी सेवाएं कम दाम (रोज एक रुपये से भी कम) में फिल्में और शो दे रही हैं। दर्शकों को वापस लाने के लिए मूवी स्क्रीन चेन कई रणनीति अपना रही है।

5-स्टार की सेफ्टी रेटिंग मिल रही है टाटा पंच

-कीमत सिर्फ 6.13 लाख रुपये से होती है शुरू

नई दिल्ली । स्वदेशी कार कंपनी टाटा मोटर्स की सबसे सस्ती सब कॉम्पैक्ट एसयूवी टाटा पंच है। यह अपने सेगमेंट की पहली कार है जिसमें 5-स्टार की सेफ्टी रेटिंग मिल रही है। इसकी कीमत सिर्फ 6.13 लाख रुपये से शुरू होती है। बता दें कि हाल ही में लॉन्च हुई नई स्विफ्ट हैचबैक इससे महंगी है, जिसके सबसे सस्ते वैरिएंट की कीमत 6.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। टाटा मोटर्स ने पंच को बनाने में हाई क्वालिटी स्टैंडर्ड को मेंटेन करती है। कंपनी ने पंच की बिल्ड क्वालिटी को बेहतर रखा है और इसमें मजबूत चैसी का इस्तेमाल किया है। इसके कुछ सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें डुअल फ्रंट एयरबैग्स, ईबीडी के साथ एबीएस, रियर डिफॉगर, रियर पार्किंग सेंसर, एक रियर-व्यू कैमरा और इसोफिक्स जैसे सेफ्टी फीचर्स देती है। बॉडी की तरह पंच का इंजन भी काफी पावरफुल है। इसमें 1.2-लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 86 ङ्खद्धश्च की पावर और 113 एनएम का टॉर्क देता है। यह कार 5-स्पीड मैनुअल और एक ऑप्शनल 5-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ आती है। इसका माइलेज करीब 19 किलोमीटर प्रति लीटर है। बाजार में टाटा पंच 4 मॉडल - प्योर, एडवेंचर, एकम्प्लिश्ड और क्रिएटिव में उपलब्ध है। ग्राउंड क्लीयरेंस भी 187एमएम है, जो इसे खराब रास्तों के लिए बेहतर बनाता है। भारतीय बाजार में टाटा पंच का मुकाबला हुंडई एक्सटर और मारुति इग्निस से है। इसकी कीमत को देखें तो यह निसान मैग्नाइट और रिनॉल्ट काइगर के कुछ मॉडल को भी टक्कर देती है।

क्या मोदी की वापसी को लेकर विदेशी निवेशकों में संदेह........बाजार को लेकर दिख रही निराशा

-कई जानकारों का अनुमान फिर आएगी मोदी सरकार

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाले एनडीए को इस बार के आम चुनावों में पहले के अनुमान से कम सीटें मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस कारण विदेशी निवेशक भारतीय शेयरों को लेकर पिछले एक दशक में सबसे ज्यादा निराश दिख रहे हैं। बाजार के हालात निवेशकों का भरोसा कमजोर कर रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक़, निवेशक ज़्यादा शेयर बेच रहे हैं और कम खरीद रहे हैं। ये ट्रेंड नेट शर्ट पोजीशन÷ में बढ़ोतरी से पता चलता है, जो इस वक्त 2012 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर है। विदेशी निवेशकों ने अप्रैल से भारतीय शेयरों से 4 अरब डॉलर से भी ज्यादा निकाल लिए हैं। यह चुनाव के नतीजों को लेकर उनकी चिंता को दर्शाता है। मोदी सरकार के कमजोर प्रदर्शन से बुनियादी ढांचे और विनिर्माण में सुधार जैसे नीतिगत सुधार धीमा हो सकते हैं। भारत ने अपने चुनाव का चौथा चरण सोमवार को पूरा कर लिया, आखिरी चरण 1 जून को समाप्त होगा। मोदी को तीसरा कार्यकाल जीतने की उम्मीद है, उनका अनुमान है कि उनकी पार्टी और सहयोगी संसद में 543 में से 400 से अधिक सीटें हासिल करने वाले हैं। कम मतदान प्रतिशत ने बीजेपी के समर्थन को लेकर चिंता बढ़ा दी है। विश्लेषक गर्मी की लहर और मतदाताओं को एकजुट करने के लिए किसी प्रमुख मुद्दे की कमी एक बड़ा मुद्दा मानते हैं। इसके बावजूद, रणनीतिकारों को उम्मीद है कि मोदी की पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी, संभवतः 2019 के परिणामों के बराबर या उनसे आगे निकलेगी। बावजूद इसके, निवेशक घबराए हुए हैं, जैसा कि फियर गैज÷ से पता चलता है, जो भविष्यवाणी करता है कि अगले महीने बाजार कितना बदल सकता है।

आने वाले दिनों में भारतीय बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ने की संभावना है। 4 जून को मतदान की गिनती के बाद, 19 अप्रैल को मतदान शुरू होने पर 15 प्रतिशत से कम रही अंतर्निहित अस्थिरता, मंगलवार को 20 प्रतिशत से अधिक हो गई है।

एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों की न्यूजीलैंड में भी होगी जांच

नई दिल्ली ।

देश के दो लोकप्रिय मसाला ब्रांड एमडीएच प्राइवेट लिमिटेड (एमडीएच) और एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एवरेस्ट) की मुसीबतें कम नहीं हो रही है। सिंगापुर, हांगकांग अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के बाद अब न्यूजीलैंड ने भी इन कंपनियों के मसालों की क्वालिटी पर सवाल उठाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूजीलैंड के खाद्य सुरक्षा नियामक ने कहा कि वह अन्य देशों में जांच का सामना करने के बाद टॉप भारतीय ब्रांडों एमडीएच और एवरेस्ट के मसाला उत्पादों में संभावित रसायनों के मिलावट की जांच कर रहा है।

एमडीएच और एवरेस्ट के मसाला उत्पाद पिछले महीने तब विदेशी खाद्य सुरक्षा नियामकों की रडार पर आ गए जब सिंगापुर ने इन कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट की ब्रिकी पर रोक लगा दी। सिंगापुर फूड एजेंसी ने दावा किया था कि इस मसाले में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा काफी ज्यादा है, जो कि इंसान की सेहत के लिए सही नहीं है। बता दें एथिलीन ऑक्साइड एक तरह का पेस्टीसाइट है, जिसके सेवन से कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी होने का खतरा होता है। सिंगापुर के बाद हांगकांग ने भी इन कंपनियों के कुछ मसालों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया भी एमडीएच और एवरेस्ट के मसाला उत्पादों में संभावित रसायनों के मिलावट की जांच कर रहे हैं। न्यूजीलैंड के खाद्य सुरक्षा नियामक ने कहा कि विदेशी रिकॉल से अवगत है।

चूंकि एमडीएच और एवरेस्ट मसाले न्यूजीलैंड में भी उपलब्ध हैं, इसलिए हम इस मुद्दे पर विचार कर रहे हैं। हालांकि इस मुद्दे पर दोनों कंपनियों ने अपने पिछले कुछ बयानों में कहा है कि उनके उत्पाद उपभोग के लिए सुरक्षित हैं। भारत के खाद्य सुरक्षा नियामक ने एमडीएच और एवरेस्ट प्लांटों का निरीक्षण किया है और ग्लोबल जांच के बाद नमूने ट्रायल के लिए भेजे हैं, हालांकि परिणाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। दशकों से, एमडीएच और एवरेस्ट के उत्पाद भारत में बेहद लोकप्रिय हैं और यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका के देशों में निर्यात किए जाते हैं।

अप्रैल में यात्री और दोपहिया वाहनों के निर्यात में हुई 20 फीसदी की बढ़ोतरी

- भारतीय वाहन बनाने वाले संगठन सायम के जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली। भारतीय वाहन बनाने वाले संगठन सायम के जारी आंकड़ों बताते हैं कि अप्रैल में सवारी गाड़ी और दोपहिया वाहनों का निर्यात एक साल पहले के मुकाबले 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ा है। 2023-24 में दोपहिया वाहनों का निर्यात एक साल पहले के मुकाबले 5.3 फीसदी घटकर 34.58 लाख इकाइयों का रहा। यात्री वाहनों का निर्यात मामूली रूप से 1.5 फीसदी बढ़कर 6,72,000 इकाइयों की रही। लेकिन हाल के महीने में निर्यात बाजार में तेजी आई है।

अप्रैल में दोपहिया वाहनों का निर्यात एक साल पहले के मुकाबले 24.3 फीसदी बढ़कर 3,20,877 इकाइयों का रहा। यात्री वाहनों का निर्यात 21.1 फीसदी बढ़कर कुल 49,563 इकाइयों का रहा। इस माह 8 मई को निवेशक कॉल के दौरान हीरो मोटोकॉर्प के मुख्य कार्य अधिकारी निरंजन गुप्ता ने कहा था कि बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में निर्यात ने वापसी की। उन्होंने कहा कि हमने कई बाजारों में वितरकों को बदला है, जैसा आपने नेपाल में देखा। हमें उम्मीद है कि मेक्सिको आगे बढ़ेगा और हाल ही में नाइजीरिया में भी वितरक बदले जाएंगे। इसलिए यह वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अच्छा संकेत है। लेकिन उन्होंने कहा कि अगले साल की संख्या के बारे में कुछ भी कहना अभी सही नहीं होगा। आगे चलकर आने वाली तिमाहियों और साल में हमारा अंतरराष्ट्रीय कारोबार आगे ही बढ़ेगा।

मारुति सुजूकी के कॉरपोरेट अफेयर्स प्रमुख राहुल भारती ने 26 अप्रैल को कहा था कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में करीब 2,83,000 वाहनों का निर्यात किया था। यह करीब चार साल पहले सालाना 100,000 वाहनों की तुलना में काफी ज्यादा है। उन्होंने निवेशक कॉल के दौरान कहा कि हम भविष्य में इसे और आगे बढ़ाना चाहते हैं। अगले वर्ष हमें करीब 300,000 इकाइयों का निर्यात करना होगा जो कि सभी बाजारों में विभिन्न उत्पादों में काफी विविधतापूर्ण होगा और लाभप्रदता के संदर्भ में यह विदेशी मुद्रा दरें आदि मापदंडों के साथ बदलता है। इसलिए, यह कभी स्थिर नहीं रहता है। फिलहाल यह अच्छी स्थिति में है।

सोना और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। आज दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,400 रुपये के करीब जबकि चांदी के वायदा भाव 85,500 हजार रुपये के करीब थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध आज 39 रुपये की तेजी के साथ 72,336 रुपये के भाव पर खुला। यह कॉन्ट्रैक्ट 71 रुपये की तेजी के साथ 72,368 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 72,393 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 72,336 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 73,958 रुपये के भाव पर शीर्ष स्तर हासिल किया था।

चांदी के वायदा भाव की शुरूआत में भी आज तेजी रही। एमसीएक्सा पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 104 रुपये की बढ़त के साथ 85,521 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 123 रुपये की तेजी के साथ 85,540 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 85,580 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 85,500 रुपये के भाव पर निचला स्तर हासिल किया। पिछले महीने चांदी के वायदा भाव ने

86,126 रुपये किलो के भाव पर पहुंचे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,362.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,359.90 डॉलर था।

टाइटंस को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी सनराइजर्स

हैदराबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद टीम अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने के लिए उतरेगी। वहीं गुजरात की टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में बिना किसी दबाव के उतरना रहेगा। सनराइजर्स की टीम ने अब तक 12 मैचों में 14 अंक हासिल किये हैं। ऐसे में टीम के पास 18 अंक तक पहुंचने का अवसर है।

हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की पिच आमतौर पर बल्लेबाजी के लिए सहायक मानी जाती है। पहली पारी में नई गेंद से इस पिच पर गेंदबाजों को कुछ सहायता मिलती है पर दूसरी पारी में ओस के दौरान बल्लेबाजी आसान होती है। इस पिच पर कई बड़े स्कोर बने हैं। सनराइजर्स के पास काफी अच्छे आक्रामक बल्लेबाज हैं। ऐसे में उसके पास यहां बड़ा स्कोर बनाने का अवसर है।

इसके अलावा यहां टॉस की भूमिका भी काफी अहम रहने वाली है। टॉस जीतने वाली टीम लाभ में रहेगी पर यहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को मुश्किलें आयेंगे। ऐसे में सनराइजर्स के लिए परेशानी ये है कि वह लक्ष्य का पीछा करने में अच्छी नहीं है। उसने अधिकतर मुकाबले पहले बल्लेबाजी करते हए जीते हैं। कुल मिलाकर ये मैच रोमांचक रहेगा। सनराइजर्स की बल्लेबाजी हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, ग्लेन फिलिप्स और नितीश रेड्डी पर आधारित रहेगी जबकि गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन गिल, ट्रेविस हैड , साई सुदर्शन और राहुल तेवतिया पर आधारित रहेगी।

टीम

सनराइजर्स - पैट कमिंस (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार, फजलहक फारूकी, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, सनवीर सिंह, ग्लेन फिलिप्स, नितीश रेड्डी, मार्को जानसन, अभिषेक शर्मा, उपेंद्र यादव, राहुल त्रिपाठी , एडेन मार्करम, हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, अनमोलप्रीत सिंह, मयंक अग्रवाल, अब्दुल समद, आकाश महाराज सिंह, वानिंदु हसरंगा, उमरान मलिक, जयदेव उनादकट, झटवेध सुब्रमण्यन, टी नटराजन, मयंक मारकंडे।

गुजरात- शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, रिद्धिमान साहा, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, मैथ्यू वेड, केन विलियमसन, अजमतुल्लाह उमरजई, अभिनव मनोहर, राशिद खान, विजय शंकर, राहुल तेवतिया, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक त्यागी, जोशुआ लिटिल, दर्शन नालकंडे , नूर अहमद, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहित शर्मा, जयंत यादव, उमेश यादव, सुशांत मिश्रा, संदीप वारियर, शरथ बीआर, मानव सुथार।

सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन के दूसरे दौर में पहुंची

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत के सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में मलेशिया के नूर मोहम्मद अजरिन अयूब अजरिन और तान वी कियोंग को हराकर पुरूष युगल प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 34 मिनट में 21.13, 21.13 से जीत दर्ज की। अब उनका सामना चीन के शि हाओ नान और जेंग वेइ हान से होगा।

महिला एकल में अष्मिता चालिहा ने इंडोनेशिया की एस्टर नुरूमी त्रि वार्दोयो को 19.21, 21.15, 21.14 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की हान युइ से होगा । युइ ने भारत की मालविका बंसोड़ को 21.11, 21.10 से हराया।

विराट को अगले सत्र में फिर कप्तान बनाये आरसीबी: हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से (आईपीएल) सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज विराट कोहली को एक बार फिर टीम की कप्तानी दी जानी चाहिये। हरभजन के अनुसार विराट के पास टीम को आगे ले जाने की पर्याप्त क्षमता है। उन्होंने कहा कि विराट में जोश, प्रतिबद्धता और आक्रामकता का बढ़िया संयोजन है। विराट इस सत्र में शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने थे। उन्होंने अब तक 13 मैचों में 661 रन रन बनाये हैं और वह औरेंज कैप की दौड़ में बने हुए हैं। विराट ने अब तक 155.16 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये है। विराट के कारण ही आरसीबी की टीम 13 मैच में 12 अंक के साथ तालिका में पांचवें स्थान के साथ प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। हरभजन ने कहा, '' अगर वे प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहते हैं तो उन्हें कप्तानी के लिए बदलाव करना चाहिये। ऐसे में विराट को ही कप्तानी दी जानी चाहिये। विराट को कप्तानी का काफी अनुभव है। उन्हें पता है कि टीम को किस तरह की क्रिकेट खेलने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, '' जिस प्रकार महेन्द्र सिंह धोनी बहुत आक्रामकता, बहुत जज्बे के साथ खेल रहे हैं और यही बात विराट के साथ भी है। मैं विराट को जिम्मेदारी के साथ टीम का नेतृत्व करते हुए देखना चाहूंगा।'' वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लखनऊ सुपरजायंट्स की हार के बाद टीम के मालिक संजीव गोयनका के कप्तान के एल राहुल पर भड़कने को लेकर पूछे जाने पर हरभजन ने कहा कि ये चीजें टीम में अच्छे माहौल के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, '' कप्तान और प्रबंधन के बीच मतभेद हो सकते हैं लेकिन बातचीत दरवाजे के पीछे होनी चाहिए जो सभी के लिए बेहतर होती है।''

पाकिस्तान के अलावा विश्वकप के लिए शेष सभी टीमें घोषित

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान को छोड़कर सभी अन्य देशों ने टी20 विश्वकप के लिए अपनी टीमें घोषित कर दी हैं। टी20 विश्वकप दो जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। पाकिस्तान की टीम अभी आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे पर है और इसमें प्रदर्शन के आधार पर ही पाक बोर्ड विश्वकप के लिए टीम घोषित करेगा। पाक बोर्ड का मानना है कि इस दौरे से उसकी टीम को विश्वकप के लिए अभ्यास का अवसर मिलेगा। बांग्लादेश भी जिम्बाब्वे के साथ अभी टी20 सीरीज खेल रहा है।

टी20 विश्वकप में 20 टीमों भाग ले रही है। इसमें से 18 टीमों ने अपने-अपने 15-15 खिलाड़ियों के दल की घोषणा कर दी है। आईसीसी ने टीम घोषित करने की अंतिम तारीख 24 मई तय की है। माना जा रहा है कि उसी के पहले पाक और बांग्लादेश अपनी टीम घोषित करेंगे।

अब तक घोषित 18 टीमें इस प्रकार हैं

1 भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उप कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह. रिजर्व खिलाड़ी-शुभमन गिल, रिंकू सिंह, आवेश खान और खलील अहमद।

2 ऑस्ट्रेलिया: मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, डेविड वॉर्नर, कैमरन ग्रीन, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टॉयनिस, टिम डेविड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू वेड, एश्टन एगर, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, एडम जम्पा।

3 न्यूजीलैंड: केन विलियम्सन (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिचेल सैंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउदी. लॉकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी, ट्रेंट बोल्ट, रिजर्व खिलाड़ी-बीन सियर्स।

4 इंग्लैंड: जॉस बटलर (कप्तान), मोइन अली (उप-कप्तान), फिल साल्ट, विल जैक्स, जॉनी बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, बेन डकेट, लियाम लिविंगस्टोन, सैम करेन, क्रिस जॉर्डन, टॉम हार्टली, आदिल राशिद, मार्क वुड, जोफ्रा आर्चर, रीस टॉपली।

5 दक्षिण अफ्रीका: एडेन मार्क्रम (कप्तान), रीजा हेंड्रिक्स, ओटिनल बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्जी, क्विंटन डिकॉक, बेरोन फार्च्युन, हेनरिक क्लासेन, मार्को यानसेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नॉर्किया, कैगिसो रबाडा, रियान रिक्लटन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

पिता के सपने को साकार करने एथलीट बनी ज्योतिका

भुवनेश्वर । आंध्र प्रदेश के गोदावरी जिले की एथलीट ज्योतिका श्री डांडी ने पेरिस ओलंपिक के लिए प्रवेश हासिल कर सभी का ध्यान खींचा है। ज्योतिका भारत की ओर से चार गुणा 400 मीटर रिले रेस में क्वालीफाई करने वाली टीम की सदस्य हैं। वह डॉक्टर बनना चाहती थी पर उन्होंने पिता के सपने को पूरा करने खिलाड़ी बनीं। उनके पिता श्रीनिवास राव बॉडी बिल्डर रहे और उन्हें खेलों का शौक था। उन्होंने ही बेटी को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। श्रीनिवास का सपना अपनी बेटी को ओलंपिक में देखने का था जो तीन महीने से भी कम समय में पूरा हुआ है। ज्योतिका बहामास में आयोजित विश्व रिले में चार गुणा 400 मीटर रिले में ओलंपिक टिकट पक्का हासिल करने वाली भारतीय टीम में शामिल थीं। फेडरेशन कप में भाग लेने के लिए भुवनेश्वर पहुंची ज्योतिका ने कहा, 'मैंने दसवीं कक्षा में 97 फीसदी अंक हासिल किए थे। जब मैं स्कूल में थी तब मैं वास्तव में एक डॉक्टर बनना चाहती थी। मैंने खेल में रुचि लेने के बाद डॉक्टर बनने के बारे में सोचना छोड़ दिया। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता को लगा कि मुझमें एथलेटिक्स में अच्छा प्रदर्शन करने और ओलंपिक में देश का नाम रोशन करने की प्रतिभा है। उनके त्याग और मुझे एक सफल एथलीट बनाने के जुनून को देखकर मैंने उनके सपनों को पूरा करने का फैसला किया। इस खिलाड़ी ने कहा, 'मैंने उन्हें यह नहीं बताया कि मैं डॉक्टर बनना चाहती हूं क्योंकि मैं उन्हें खुश देखना चाहती थी। 2017 तक मुझे खेलों में रुचि नहीं थी पर 2020 के आसपास मैंने रुचि लेना शुरू कर दिया था। ज्योतिका ने कहा, 'मेरे पिता युवावस्था में बॉडीबिल्डर थे पर परिवार से सहयोग न मिलने के कारण उन्होंने खेल छोड़ दिया। अब वह एक व्यवसायी हैं। उन्हें खेलों में बहुत रुचि है और उन्होंने मुझे बहुत प्रेरित किया और वह चाहते हैं कि मैं ओलंपिक में भाग लूं। ज्योतिका ने कहा, 'उनकी (पिता) वजह से मुझे ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ा। वह हर चीज का ख्याल रखते हैं। इसलिए, अब मैं ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करते देखने का उनका सपना पूरा करना चाहती हूं। ज्योतिका का 400 मीटर में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 52.73 सेकेंड है।

गांगुली ने कहा , रोहित बड़े खिलाड़ी टी20 विश्वकप में फार्म हासिल कर लेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि रोहित शर्मा बड़े खिलाड़ी हैं। ऐसे में टी20 विश्वकप से पहले आईपीएल में उनके खराब फार्म को लेकर परेशान होने की जरुरत नहीं है। गांगुली के अनुसार रोहित एक बड़े खिलाड़ी हैं और वह टी20 विश्व कप 2024 में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। टी20 विश्वकप कप में रोहित भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। रोहित इसमें यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करेंगे पर गांगुली ने कहा है कि रोहित को विराट कोहली के साथ पारी की शुरुआत करनी चाहिए। विराट सलामी बल्लेबाज के तौर पर आरसीबी के लिए शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं और औरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। गांगुली ने साथ ही कहा, भारतीय टीम बहुत अच्छी टीम है। रोहित विश्व कप में अच्छा खेलेंगे। वह बड़े टूर्नामेंटों में अच्छा खेलते हैं। बड़े मंच पर वह अपने आप लय हासिल कर लेते हैं। रोहित ने इस सत्र के 13 मैचों में 349 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक शामिल है। उन्होंने ये शतक वानखेड़े के मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ लगाया था हालांकि, टीम मुकाबला हार गई थी। इसके बाद के सभी मैचों में रोहित शर्मा संघर्ष करते नजर आए।

टी20 विश्वकप में अब तक न्यूजीलैंड और श्रीलंका को नहीं हरा पाया है भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम पिछले एक दशक से कोई आईसीसी खिताब नहीं जीती है। ऐसें में रोहित का लक्ष्य इस बार उसे जीत दिलाना रहेगा। इससे पहले एकदिवसीय विश्वकप में टीम खिताब की दहलीप पर आकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी थी। रोहित की कप्तानी वाली भारतीय टीम को इस बार खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है हालांकि ये इतना आसान नहीं है क्योंकि टी20 क्रिकेट में एक-दो ओवर में ही खेल का रुख बदल जाता है और अपने 'अनुकूल' दिन कमजोर मानी जाने वाली टीम भी टी20 क्रिकेट में बड़ी टीम को हरा देती है।

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ मैच से अपने अभियान की शुरुआत करनी है। वहीं टीम का दूसरा मुकाबला 9 जून को पाकिस्तान से

होगा। वहीं अगर इतिहास पर नजर डाली जाये तो न्यूजीलैंड और श्रीलंका की टीमें भारत के लिए अब तक सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वी साबित हुई हैं। इन दोनों टीमों को टी20 वर्ल्डकप में भारत अब तक नहीं हरा पाया है। दूसरी ओर,आईसीसी की फुल मेंबर टीमों में चार - बांग्लादेश, अफगानिस्तान, आयरलैंड और जिम्बाब्वे से भारतीय टीम कभी नहीं हारी है। ऐसे में श्रीलंका क्रिकेट टीम और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम, भारतीय के लिए सबसे बड़ा खतरा साबित हुई हैं। दोनों टीमें अब तक टूर्नामेंट में तीन बार आमने-सामने आ चुकी हैं और हर बार जीत कीवी टीम की हुई है। दोनों देशों के बीच टी20 विश्वकप का पहला मुकाबला 16 सितंबर 2007 को खेला गया था जिसमें न्यूजीलैंड ने 10 रन से जीत हासिल की थी. इसके बाद 2016 और 2021 के एडीशन में हुए मुकाबले में भी कीवी टीम जीती थी। 15 मार्च 2016 के मैच में न्यूजीलैंड ने 47 रनों और 31 अक?टूबर 2021 को हुए मैच में 8 विकेट से जीत हासिल की थी।

इसके अलावा श्रीलंका को टी20 विश्वकप में हराना भारत के लिए अब तक संभव नहीं हुआ है। दोनों टीमों के बीच टूर्नामेंट में दो बार मुकाबला हुआ है और दोनों ही बार श्रीलंका जीती है। पहली बार दोनों टीमें 2010 के टूर्नामेंट में ग्रास आइसलेट में आमने-सामने आईं और श्रीलंका ने 11 मई 2010 के मैच को 5 विकेट से अपने नाम किया। 2014 में दोनों के बीच बांग्लादेश के मीरपुर में फाइनल हुआ। इसमें भी श्रीलंका ने 6 विकेट से जीत हासिल की। टी20 वर्ल्डकप में जहां न्यूजीलैंड और श्रीलंका से भारत कभी नहीं जीत पाया है। वहीं चार टीमें ऐसी हैं जिनसे हमारी टीम को इस टूर्नामेंट में कभी हार नहीं मिली है। अफगानिस्तान, बांग्लादेश, आयरलैंड और जिम्बाब्वे कभी भी भारत को हरा नहीं पाए हैं।

बाबर आजम ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड, टी20आई में सबसे ज्यादा बार बनाए 50 प्लस रन

डबलिन (आयरलैंड) । आयरलैंड के खिलाफ पाकिस्तान के तीसरे टी20 मैच के दौरान कप्तान बाबर आजम ने भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पहले टी20 में उलटफेर के बाद पाकिस्तान ने वापसी की और लगातार दो जीत हासिल कर सीरीज अपने नाम कर ली। मंगलवार को डबलिन में उन्होंने मेजबान टीम पर 6 विकेट से जीत दर्ज की। बाबर ने बल्ले से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 42 गेंदों में 75 रनों की पारी खेली जिसमें पांच छक्के और छह चौके शामिल थे। बल्ले से अपने शानदार प्रदर्शन से बाबर टी20आई फॉर्मेट में सबसे ज्यादा बार 50 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। यह 39वां अवसर है जब बाबर ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में 50 से अधिक रन बनाए। कोहली ने टी20आई प्रारूप में 38 बार फिफ्टी प्लस रन बनाए हैं जबकि भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने 34 बार यह उपलब्धि हासिल की है। इसके अलावा बाबर आयरलैंड के खिलाफ प्रारूप में एक ओवर में 25 रन बनाने वाले पहले पाकिस्तानी बल्लेबाज बन गए। उन्होंने अपने करियर में पहली बार बेंजामिन व्हाइट के ओवर में चार छक्के लगाए लगाते हुए एक ओवर में कुल 25 रन बनाए। तीसरे टी20आई में बाबर ने दूसरे विकेट के लिए मोहम्मद रिजवान (56) के साथ 139 रन की साझेदारी की। सईम अयूब टीम को आदर्श शुरुआत देने में विफल रहने के बाद उनकी साझेदारी ने पाकिस्तान की सफलता की नींव रखी। यह टी20आई में पाकिस्तान के दो स्टार बल्लेबाजों के बीच 10वीं शतकीय साझेदारी है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली वे पहली जोड़ी बन गईं। इसके साथ ही वे साझेदारी में 3,000 रन बनाने वाली पहली जोड़ी भी बन गईं। आयरलैंड की अनुभवी जोड़ी पॉल स्टर्लिंग और एंड्रयू बालबर्नी ने साझेदारी में 2,043 रन बनाए हैं जबकि भारत की सलामी जोड़ी रोहित और केएल राहुल ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में पांच शतकीय साझेदारी की है। आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के समापन के बाद पाकिस्तान इंग्लैंड की यात्रा करेगा। यह पाकिस्तान के लिए विश्व कप से पहले मनचाहा संयोजन ढूंढने का आखिरी मौका होगा। चार मैचों की टी20 सीरीज 22 मई से हेडिंग्ले कार्नेगी में शुरू होगी। दोनों टीमें सीरीज का आखिरी मैच 30 मई को लंदन के ओवल में खेलेंगी।

पाक पूर्व कप्तान मिस्बाह उल-हक का बयान, कहा- 'भारत से खेलने के मामले में पाकिस्तान मानसिक रूप से पिछड़ जाता है'

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिसबाह उल हक का मानना है कि अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में जब उनकी टीम का सामना भारत से होगा तो उसके लिए आगे निकलना मुश्किल होगा क्योंकि ऐसा लगता है कि आईसीसी प्रतियोगिताओं में चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ खेलने को लेकर उनकी टीम मानसिक रूप से पिछड़ जाती है। अमेरिका में एक जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के संभवत: सबसे बहुप्रतीक्षित लीग चरण के मैच में भारत और पाकिस्तान 9 जून को न्यूयॉर्क में भिड़ेंगे। भारत सात टी20 विश्व कप मुकाबलों में सिर्फ एक बार (2021 में) पाकिस्तान से हारा है। मिसबाह ने बुधवार को 'स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम' पर कहा, ''जब विश्व कप में भारत से खेलने की बात आती है तो आप इसे पाकिस्तान का दुर्भाग्य या मानसिक अवरोध कहते हैं। पाकिस्तान को बहुत कुछ करने की आवश्यकता होगी क्योंकि यह एक मजबूत गेंदबाजी क्रम और दो अच्छे स्पिनरों के साथ एक बहुत ही कुशल भारतीय टीम है।'' उन्होंने कहा कि, भारत के पास (जसप्रीत) बुमराह, (मोहम्मद) सिराज और हार्दिक (पंड्या) जैसे स्तरीय तेज गेंदबाज हैं। भारतीय क्रिकेट टीम का स्तर कई गुना बढ़ गई है। मानसिक रवैया बहुत मायने रखता है और ऑस्ट्रेलिया मानसिक पक्ष को सबसे अच्छी तरह संभालता है। मिसबाह ने कहा कि उनके देश के खिलाफ कुछ यादगार पारियां खेलने वाले विराट कोहली एक बार फिर बड़ा खतरा होंगे, हालांकि मौजूदा आईपीएल में उनके स्ट्राइक रेट को लेकर काफी चर्चा हो रही है।

भारतीय गेंदबाजों का दमदार प्रदर्शन हमारे लिए सबसे सकारात्मक बात: कोच आमरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना कम होने के बावजूद सहायक कोच प्रवीण आमरे टीम के भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन से काफी संतुष्ट है। दिल्ली कैपिटल्स ने मौजूदा सत्र के अपने आखिरी लीग मुकाबले में मंगलवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को 19 रन से शिकस्त दी। टीम की यह 14 मैचों में सातवीं जीत थी लेकिन खराब नेट रन रेट के कारण उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना बेहद कम है।

आमरे ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि टीम के पास जो संसाधन था उसमें उसने से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस मामले में पिछले चार-पांच मैचों में टीम के भारतीय गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया है। आमरे ने कहा, 'पिछले चार-पांच मैचों में हमारे सभी भारतीय गेंदबाजों ने अच्छा काम किया है। मेरा मानना है कि यह हमारे लिए काफी जरूरी था। जिस तरह से खलील (अहमद), मुकेश (कुमार), इशांत (शर्मा) ने गेंदबाजी की हमारे लिए सबसे सकारात्मक पहलू था।'

दिल्ली ने अभिषेक पोरेल (58 रन) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 57) के आक्रामक अर्धशतकों से चार विकेट पर 208 रन बनाने के बाद इशांत की अगुवाई में शानदार गेंदबाजी के दम पर एलएसजी को नौ विकेट पर 189 रन पर रोक दिया। इशांत तीन विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच चुने गये। उन्होंने इशांत की तारीफ करते हुए कहा, 'उन्होंने पावर प्ले में तीन विकेट चटकाये और वह सभी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के विकेट थे। वह ऐसे गेंदबाज है जिन्होंने 100 टेस्ट खेले है और उन्हें दिल्ली की विकेट (पिच) के बारे में अच्छी जानकारी है। मैं उनके लिए काफी खुश हूं उन्हें जो भी मौका मिला उन्होंने उसका फायदा उठाया। उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया।'

आमरे ने कहा कि इस सत्र में घरेलू मैदान पर पांच मैच जीतना टीम के लिए बड़ी सफलता है।। उन्होंने कहा, 'मैं इस फ्रेंचाइजी के साथ नौ साल से हूं लेकिन पिछले दो साल और खास यह साल हमारे लिए काफी अच्छा रहा है क्योंकि हम अपने घरेलू मैदान पर पांच मैच जीतने में सफल रहे है। हमने विशाखापत्तनम में चेन्नई सुपर किंग्स को हराया था। घरेलू मैदान पर पांच मैच जीतना हमारे लिए और हमारे प्रशंसकों के लिए शानदार है। हमें इस साल प्रशंसकों का शानदार साथ मिला, इससे पहले के वर्षों में हमें इसकी कमी खलती थी। इस तरह के समर्थन के लिए प्रशंसकों का शुक्रिया।'

उन्होंने कहा कि टीम तालिका में पांचवें स्थान पर है और कई मुख्य खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में यह बेहतरीन परिणाम है। उन्होंने कहा, 'आईपीएल में इस तरह की चीजें होती है। हमें हैरी ब्रुक्स की सेवाएं नहीं मिली, मिचेल मार्श को वापस जाना पड़ा। इन सब के बीच (डेविड) वार्नर चोटिल हो गये। ईमानदारी से कहूं तो इन खिलाड़ियों की जगह लेने वालों ने अच्छा प्रदर्शन किया जिससे हम तालिका में अभी पांचवें स्थान पर है। हमारे पास जो संसाधन थे हमने उसके मुताबिक अच्छा किया है।'

उन्होंने कहा, 'पिछले मैच (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ) में हमें ऋषभ (पंत) की काफी कमी खली क्योंकि वह हमारे लिए काफी अहम मैच था।' पंत इस सत्र में टीम के तीन बार धीमी ओवर के लिए एक मैच के लिए निलंबित थे। उनकी गैरमौजूदगी ने आरसीबी ने दिल्ली को 47 रन के बड़े अंतर से हराया था। आमरे ने स्टब्स और पोरेल जैसे बल्लेबाजों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने मौके का अच्छे से फायदा उठाया।

उन्होंने कहा, 'स्टब्स हमारे वैकल्पिक खिलाड़ी थे, अगर बुक टीम में होते तो शायद उन्हें मौका नहीं मिलता। स्टब्स ने दक्षिण अफ्रीका लीग में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने प्रथम श्रेणी के स्थानीय क्रिकेट में तिहरा शतक भी जड़ा है। वह स्पिनरों का अच्छे से सामना करते हैं। उनमें सफलता हासिल करने की ललक है। आज भी वह शुरुआती 10 गेंद के बाद छह सात रन पर था लेकिन जैसा की उन्होंने पहले भी किया है, उन्होंने 20-22 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था।'

आमरे ने कहा, 'पोरेल ने आज कमाल की पारी खेली। जैक फ्रेजर मैकगुर्क पहले ओवर में आउट हो गये थे लेकिन हम पावरप्ले में 73 रन बनाने में कामयाब रहे। इसका श्रेय पोरेल और शाई होप को जाता है उन्होंने 92 रन की साझेदारी की।'

सचिन के सुरक्षाकर्मी ने आत्महत्या की

जलगांव। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर की सुरक्षा में तैनात एक सुरक्षाकर्मी ने खुदकुशी कर ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये सुरक्षाकर्मी प्रकाश कापड़े रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) से था और अभी जामनेर शहर में अपने पैतृक घर में था। वहीं इस सुरक्षाकर्मी ने सरकारी बंदूक से अपने को सिर में गोली मार ली। इस सुरक्षाकर्मी के परिवार में उसके माता-पिता, पत्नी तथा दो नाबालिग बच्चे, एक भाई और अन्य सदस्य हैं। इस मामले को लेकर जामनेर थाने के वरिष्ठ पुलिस इंस्पेक्टर किरण शिंदे ने कहा कि ये घटना गत रात 1.30 बजे की है। इस सुरक्षाकर्मी ने ये आत्मघाती कदम क्यों उठाया अभी इसके बारे में जानकारी नहीं मिली है। शिंदे ने कहा, शुरुआती जांच से लगता है कि उसने निजी कारणों से यह कदम उठाया है हालांकि हम पूरे मामले को देखेंगे। कापड़े का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। जामनेर पुलिस ने हादसे में मौत की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इस मामले को लेकर उसके परिवार के सदस्यों, सहकर्मियों और जान-पहचान के अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

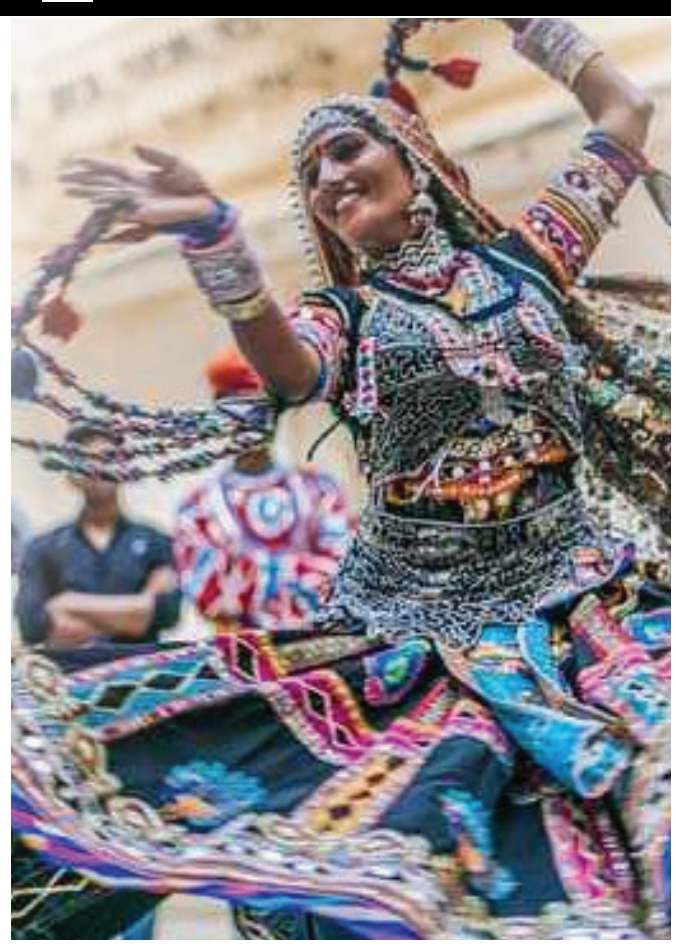

पुष्कर में सैलानी उठाते हैं मरुस्थल का लुत्फ, लज़ीज व्यंज़न और लोक नृत्यों का है संगम

अजमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल नहीं है परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से रेगिस्तान की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में सम जैसे आकर्षक रेतीले घोरें नहीं हैं परंतु सैलानियों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से बखूबी परिचित कराते हैं।

आकर्षण

पुस्कर में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर ऊँट उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, सावित्री मन्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर आरती, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्रैड बाइकिंग, साइकिलिंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात केमल सफारी, केमल सफारी के साथ लक्ज़री नाईट कैंपिंग, केमल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स राइडिंग, ज़िप्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटक रेगिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों का यहाँ लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास रेगिस्तान देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से 11 किमी.दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ठ विकल्प है। पूरे वर्ष ही भारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का डेजर्ट क्षेत्र देखने आते हैं और ग्रामीण केमल सफारी, नाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का लुत्फ उठाते हैं।

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आम तौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरंगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फ़ोटो खीचते नज़र आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

ब्रह्मा मन्दिर

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुर्मुखी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रूपये के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिक्रमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

वराह मन्दिर

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अर्णीराज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्टमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैकुण्ठ मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिक्रमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग अत्यंत लुभावना लगता है।

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं। गर्भगृह में बंशी बजाते हुए भगवान वेणुगोपाल की श्याम वर्ण की लुभावनी प्रतिमा है। मंदिर मकराना के श्वेत पत्थर से निर्मित है, जिसके दोनों ओर जय-विजय द्वारपाल हैं। इसी मंदिर में रूकमणी, श्रीकृष्ण, भूदेवी, सत्यभामा की पंचधातु की प्रतिमाएं हैं। चैत्र माह में भगवान रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया जाता है।

अरावली पर्वत की घाटियों में बसा रणकपुर जैन मंदिर

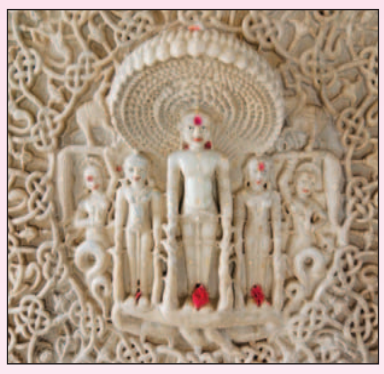

राजस्थान में अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य चारों ओर जंगलों से घिरे रणकपुर में भगवान ऋषभदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है। जंगलों से घिरे होने के कारण इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। भारत के जैन मंदिरों में संभवतः इसकी इमारत सबसे भव्य एवं विशाल है। रणकपुर मंदिर उदयपुर से 96 किलोमीटर की दूरी पर है।

इस मंदिर की इमारत लगभग 40,000 वर्गफीट में फैली है। आज से करीब 600 वर्ष पूर्व 1446 विक्रम संवत में इस मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था, जो 50 वर्षों से अधिक समय तक चला। कहा जाता है कि उस समय में इसके निर्माण में करीब 99 लाख रुपए का खर्च आया था। इस मंदिर में 4 कलात्मक प्रवेश द्वार हैं। मंदिर के मुख्य गृह में तीर्थंकर आदिनाथ की संगमरमर से बनी 4 विशाल मूर्तियां हैं। करीब 72 इंच ऊंची ये मूर्तियां 4 अलग दिशाओं की ओर उन्मुख हैं। इसी कारण इसे चतुर्मुख मंदिर कहा जाता है। इसके अलावा मंदिर में 76 छोटे गुम्बदनुमा पवित्र स्थान, 4 बड़े प्रार्थना कक्ष तथा 4 बड़े पूजन स्थल हैं। ये मनुष्य को जीवन-मृत्यु की 84 योनियों से मुक्ति प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस मंदिर की प्रमुख विशेषता इसके सैकड़ों खंभे हैं जिनकी संख्या करीब 1,444 है। यहां आप जिस तरफ भी नजर घुमाएंगे आपको छोटे-बड़े आकारों के खंभे दिखाई देते हैं, परंतु ये खंभे इस प्रकार बनाए गए हैं कि कहीं से भी देखने पर मुख्य पवित्र स्थल के दर्शन में बाधा नहीं पहुंचती है। इन खंभों पर अतिसुंदर नक्काशी की गई है। इन खंभों की खास विशेषता यह है कि ये सभी अनोखे और अलग-अलग कलाकृतियों से निर्मित हैं। मंदिर की छत पर की गई नक्काशी इसकी उत्कृष्टता का प्रतीक है।

मंदिर के निर्माताओं ने जहां कलात्मक दोमंजिला भवन का निर्माण किया है, वहीं भविष्य में किसी संकट का अनुमान लगाते हुए कई तहखाने भी बनाए गए हैं। इन तहखानों में पवित्र मूर्तियों को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये तहखाने मंदिर के निर्माताओं की निर्माण संबंधी दूरदर्शिता का परिचय देते हैं।

विक्रम संवत 1953 में इस मंदिर के रखरखाव की जिम्मेदारी एक ट्रस्ट को दे दी गई थी। उसने मंदिर के पुनरुद्धार कार्य को कुशलतापूर्वक कर इसे एक नया रूप दिया। पत्थरों पर की गई नक्काशी इतनी भव्य है कि कई विख्यात शिल्पकार इसे विश्व के आश्चर्यों में से एक बताते हैं। हर वर्ष हजारों कलाप्रेमी इस मंदिर को देखने आते हैं। इसके अलावा यहां संगमरमर के टुकड़े पर भगवान ऋषभदेव के पदचिह्न भी हैं। ये भगवान ऋषभदेव तथा शत्रुंजय की शिक्षाओं की याद दिलाते हैं।

रणकपुर का निर्माण कैसे हुआ- इस मंदिर का निर्माण 4 श्रद्धालुओं- आचार्य श्यामसुंदरजी, धरन शाह, कुंभा राणा तथा देपा ने कराया था। आचार्य सोमसुंदर एक धार्मिक नेता थे जबकि कुंभा राणा मलगढ़ के राजा तथा धरन शाह उनके मंत्री थे। धरन शाह ने धार्मिक प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर भगवान ऋषभदेव का मंदिर बनवाने का निर्णय लिया था।

कहा जाता है कि एक रात उन्हें स्वप्न में नलिनीगुल्मा विमान के दर्शन हुए, जो पवित्र विमानों में सर्वाधिक सुंदर माना जाता है। इसी विमान की तर्ज पर धरन शाह ने मंदिर बनवाने का निर्णय लिया। मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह ने कई वास्तुकारों को आमंत्रित किया। इनके द्वारा प्रस्तुत कोई भी योजना उन्हें पसंद नहीं आई। अंततः मुंदारा से आए एक साधारण से वास्तुकार दीपक की योजना से वे संतुष्ट हो गए।

मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह को मलगढ़ नरेश कुंभा राणा ने जमीन दी। उन्होंने मंदिर के समीप एक नगर बसाने का भी सुझाव दिया। मंदिर के समीप मदगी नामक गांव को इसके लिए चुना गया तथा मंदिर एवं नगर का निर्माण साथ ही प्रारंभ हुआ। राजा कुंभा राणा के नाम पर इसे रणपुर कहा गया, जो बाद में रणकपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज का रणकपुर पुरानी विरासत और इसे सहेजकर रखने वालों के बारे में भी संदेश देता है जिनके कारण रणकपुर मात्र एक विचार से वास्तविकता में बदल सका।

वैसे भी राजस्थान अपने भव्य स्मारकों तथा भवनों के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थुान में स्थित रणकपुर मंदिर जैन धर्म के 5 प्रमुख तीर्थस्थरलों में से एक है। यह मंदिर खूबसूरती से तराशे गए प्राचीन जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर के आसपास ही नेमीनाथ और पार्श्वनाथ को समर्पित 2 मंदिर हैं, जो हमें खजुराहो की याद दिलाते हैं। यहां निर्मित सूर्य मंदिर की दीवारों पर योद्धाओं और घोड़ों के चित्र उकेरे गए हैं, जो अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण के समान है। यहां से लगभग 1 किलोमीटर दूरी पर माता अम्बा का मंदिर भी है।

कैसे पहुंचें:-

सड़क मार्ग:- उदयपुर देश के प्रमुख शहरों से सड़कों के जरिए जुड़ा हुआ है। उदयपुर से यहां के लिए प्राइवेट बसें तथा टैक्सियां उपलब्ध रहती हैं। आप यहां अपने निजी वाहन से भी जा सकते हैं।

रेलवे:- यहां पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टे शन उदयपुर ही है, साथ ही रणकपुर के लिए सभी प्रमुख शहरों से रेलगाड़ियां उपलब्धे हैं।

वायु मार्ग:- रणकपुर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा उदयपुर है। दिल्लीं, मुंबई से यहां के लिए नियमित उड़ानें हैं।

आसपास के क्षेत्रों में पावापुरी सिरोही, संघवी भेरूतारक तीर्थ धाम, माउंट आबू, दिलवाड़ा का विख्यात जैन मंदिर भी हैं, जहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन कंपनियों ने बटोरा पैसा, ग्वादर पोर्ट बनवाकर फंस गया पाकिस्तान

कराची । पाकिस्तान और चीन ने सीपीईसी और ग्वादर पोर्ट का प्लान यह सोचकर बनाया था कि इससे शिनजियांग से समुद्र तक कनेक्टिविटी हो जाएगी। इसका जरिया पाकिस्तान बनेगा और ग्वादर को दुबई बनाने का सपना देखा जा रहा था। पाकिस्तान को लग रहा था कि इसके जरिए उसे बड़े पैमाने पर विदेशी निवेश मिलेगा और समुद्र किनारे बसे ग्वादर को दुबई जैसी चमक-धमक मिलेगी। लेकिन जिस तरह से यहां असफलता हाथ लगी है, वह पाकिस्तान और चीन दोनों के लिए निराशाजनक है। हालांकि इसमें पाकिस्तान को ज्यादा घाटा है और वह आर्थिक संकट में भी फंस सकता है। पाकिस्तान के फंसने की वजह यह है कि ग्वादर पोर्ट के लिए लोन चीन के बैंकों ने दिया है। फिर ग्वादर के निर्माण के ठेके भी चीनी कंपनियों को मिले और बड़े पैमाने पर वह रकम चीन के ही पास पहुंच गई। पोर्ट की लागत के लिए कर्ज लिया गया था, वह पाकिस्तान के सिर पर है। इस तरह ग्वादर का विकास भी नहीं हो सका और कर्ज भी देना होगा। चीन के मामलों का अध्ययन करने वाले जैकब मार्डेल ने डॉएचे वेले से कहा, इस मॉडल के तहत चीनी कंपनियों को बड़ी सब्सिडी मिलती है। चीनी बैंक पहले उन देशों की सरकारों को लोन देते हैं, जहां प्रोजेक्ट बन रहा होता है। इसके बाद ठेके चीनी कंपनियों को ही मिलते हैं। इस तरह चीन अपना पैसा वापस ले लेता है और उन देशों के ऊपर कर्ज आता है, जहां प्रोजेक्ट होता है। इस तरह चीन का पैसा एक तरह से उसके ही पास रहता है और दूसरे देश के टैक्सपेयर्स पर बोझ बढ़ता है। चीन के बेल्ट ऐंड रोड प्रोजेक्ट से जुड़ने वाले सबसे शुरुआती देशों में से एक पाकिस्तान था। यही नहीं भारत के हिस्से वाले जम्मू-कश्मीर प्रांत के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र से ही यह प्रोजेक्ट भी गुजर रहा है, जिसका भारत ने विरोध किया था। चीन और पाकिस्तान के बीच बने इस कॉरिडोर को चाइना पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर नाम दिया गया है, लेकिन आर्थिक प्रगति की बात करें तो करीब दो दशक बीतने के बाद भी पाकिस्तान खाली हाथ है। यही नहीं जिस ग्वादर पोर्ट को गाजे-बाजे के साथ 2007 में पूरा किया गया और 2013 में चीनी कंपनियों को सौंप दिया गया, वह भी फेल साबित हो रहा है।इसकी वजह यह है कि यहां जहाज नहीं आ रहे हैं। मालवाहक जहाज इस पोर्ट की बजाय कराची ही जाना पसंद कर रहे हैं। इसकी वजह यह भी है कि यहां एक साल में 1,37,000 ही 20 फुट के स्टैंडर्ड कंटेनर हैंडल किए जा सकते हैं। वहीं कराची पोर्ट की क्षमता 42 लाख कंटेनर्स की है। ग्वादर का रणनीतिक महत्व भी है क्योंकि यह कराची से महज 500 किलोमीटर की दूरी पर है और ईरान की सीमा से भी नजदीक है। यह पोर्ट सीपीईसी की लाइफलाइन कहा जा रहा था।

पॉच घंटे में लंदन से न्यूयॉर्क पहुंचा देगा सुपरसॉनिक प्लेन, आधा कर देगा लंबे सफर का समय

वाशिंगटन । नया सुपर-सोनिक प्लेन मात्र एक घंटे से भी कम समय में यात्रियों को यहां से वहॉ पहुंचा देगा। लंदन से न्यूयॉर्क जैसे शहर के सफर को पांच घंटे से भी कम का कर देगा। 1836 किमी प्रति घंटे की तेज गति से 300 भाग्यशाली यात्रियों को सफर कराने के लिए तैयार है, जो कि आज की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। सबसे तेज़ वाणिज्यिक जेट की इस तकनीक का मतलब यह हो सकता है कि हम जल्द ही दिल्ली से लंदन तक नौ घंटे की उड़ान वाले थकाउ सफर को अलविदा कह देंगे। स्काई ओवी इवो के पीछे स्पैनियार्ड ऑस्कर विनल्स का ब्रेनबॉक्स है, और वह विलासिता पर कोई कंजूसी नहीं कर रहा है। यह उड़ने वाला चमत्कार शयनकक्षों, शानदार सुइट्स और यहां तक कि राजघरानों के लिए उपयुक्त बाथरूम का वादा करता है। एक वेबसाइट बताती है कि भविष्य के हवाई जहाज के इंजन और विमान हल्के, शांत और अधिक कुशल होंगे, उड़ान भरने का अनुभव आज की तुलना में काफी अलग होगा, अधिक जगह, विशेष वस्तुएं, और सुविधाएं भी होंगी। विमान को पंख रहित कहा जा रहा है, जबकि वास्तव में इसमका मिश्रित पंख के आकार का डिजाइन है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह खिंचाव को कम करने में मदद करता है। दावा है कि इस आकृति का उपयोग नासा जैसे संगठनों ने भी किया है क्योंकि यह ईंधन अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में मदद कर सकता है। बूम सुपरसोनिक की नई विमान अवधारणा, ओवरचर, की रफ्तार 2000 किमी प्रति घंटे तक की गति तक पहुंच सकती है। अमेरिका स्थित कंपनी का लक्ष्य मियामी और लंदन के बीच उड़ान के समय को आठ घंटे और 45 मिनट से घटाकर मात्र पांच घंटे करना है। अब लोगों को ऐसे विमानों का ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा।वेबसाइट आगे कहती है कि इस प्रकार के विमान के पंखों का फैलाव बोइंग 747 से थोड़ा अधिक होगा और यह मौजूदा हवाई अड्डे के टर्मिनलों से संचालित हो सकता है, साथ ही यह भी कहा गया है कि विमान का वजन भी कम होगा, शोर और उत्सर्जन भी कम होगा। इसे संचालित करने की लागत भी कम होगी। यह ध्वनि अवरोध को तोड़ने का लक्ष्य रखने वाला विकास में एकमात्र उल्लेखनीय विमान नहीं है।

अरबपति बिल गेट्स से तलाक के बाद अब मेलिंडा कारोबार से भी होंगी अलग

-फाउंडेशन के को-चेयरमैन पद से देंगी इस्तीफा, 100000 करोड़ मिलेंगे

नई दिल्ली । दुनिया के जाने माने अरबपति और समाजसेवी बिल गेट्स और उनकी पत्नी मेलिंडा फ्रेंच गेट्स को अलग हुए ती साल से ज्यादा हो चुके है। अब मेलिंडा, बिल गेट्स के व्यापार व परोपकारी गतिविधियों से भी अलग हो रही हैं। मेलिंडा फ्रेंच गेट्स ने बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के को-चेयरमैन के पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है। यह संगठन दुनिया में प्रभावशाली संगठनों में से एक है। मेलिंडा फ्रेंच ने अपने एक्स पर पोस्ट किया कि फाउंडेशन में उनके काम का आखिरी दिन 7 जून होगा। मेलिंडा फ्रेंच ने कहा कि यह फैसला उन्होंने सोच-समझकर लिया है क्योंकि यह इतना आसान नहीं था लेकिन, यह सही समय है कि वे परोपकार के क्षेत्र में दूसरे पड़ाव की ओर जाएं। मेलिंडा इस फाउंडेशन से साल 2000 से जुड़ी हैं। इस इस्तीफे के बाद मेलिंडा को परोपकारी कार्यों को जारी रखने के लिए 12.5 बिलियन डॉलर मिलेंगे। इस्तीफे का ऐलान करते हुए मेलिंडा फ्रेंच ने कहा कि वह यह कदम इस भरोसे के साथ उठा रही हैं कि गेट्स फाउंडेशन मजबूत हालत में है। मेलिंडा ने कहा कि बिल गेट्स के साथ उनके समझौते की शर्तों के तहत, फाउंडेशन छोड़ने पर, उनके पास महिलाओं और उनके परिवारों से जुड़े काम के लिए 12.5 बिलियन डॉलर होंगे जो भारतीय रुपयों में 100000 करोड़ हैं। मेलिंडा फ्रेंच ने कहा कि वह भविष्य में अपनी परोपकारी योजनाओं के बारे में और ज्यादा जानकारी शेयर करेंगी। वहीं, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सीईओ, मार्क सुज़मैन ने कहा कि बिल गेट्स की विरासत और मेलिंडा के योगदान का सम्मान करने के लिए फाउंडेशन का नाम बदलकर गेट्स फाउंडेशन कर दिया जाएगा। साथ ही अब बिल गेट्स फाउंडेशन का एकमात्र अध्यक्ष रह जाएंगे। सुज़मैन ने आगे कहा कि मेलिंडा फ्रेंच ने यह निर्णय काफ़ी चिंतन के बाद लिया है। उन्होंने विचार किया कि वह अपने परोपकारी कार्य के अगले अध्याय को कैसे बिताना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि मेलिंडा के पास उस भूमिका को लेकर नए विचार हैं जो वह अमेरिका और दुनिया भर में महिलाओं और परिवारों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निभाना चाहती हैं। बिल गेट्स और मेलिंडा ने शादी के 27 साल बाद मई 2021 में तलाक ले लिया था। दोनों पहली बार 1987 में मिले थे और सात साल बाद 1994 में शादी कर ली थी।

करीब दो दशकों में सूर्य से निकली सबसे बड़ी सौर ज्वाला

कोलोराडो । सूर्य से जो सौर ज्वाला निकली वह पिछले लगभग दो दशकों में पैदा हुई सबसे बड़ी सौर ज्वाला थी। कुछ दिन पहले ही पृथ्वी पर भयंकर सौर तूफान का प्रभाव पड़ा था। इसकारण कई स्थानों पर भी चमकदार नॉर्दर्न लाइट्स पैदा हो गई थीं, जहां पहले कभी ऐसा नहीं देखा गया था। 'नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (एनओएए) ने कहा ''ऐसा अभी तक नहीं हुआ....! एनओएए के अनुसार, यह 11 साल के इस सौर चक्र की सबसे बड़ी चमक है, जो अपने चरम पर पहुंच रही है। अच्छी खबर यह है कि पृथ्वी इस बार आग के प्रभाव क्षेत्र से बाहर होनी चाहिए, क्योंकि सूर्य के एक हिस्से पर भड़की ज्वाला पृथ्वी से दूर है। नासा की सोलर डायनेमिक्स वेधशाला ने ज्वाला की 'एक्स-रे' चमक को कैमरे में कैद किया। यह साल 2005 के बाद सबसे ज्यादा चमकदार थी। नासा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर, सात अंतरिक्ष यात्रियों को मजबूत विकिरण सुरक्षा वाले क्षेत्रों में रहने की सलाह दी गई थी। हालांकि नासा ने कहा है कि चालक दल कभी भी किसी खतरे में नहीं था।

ताइपे में ताइवान की महारानी निमफिया वाइंड और राष्ट्रपति तसाई इंग वेन बात करते हुए।

राफा में हालात चिंताजनक.... इजरायली सेना शहरों में घुसी बमों की हो रही बारिश

-नरसंहार की आशंका, 5 लाख लोग राफा छोड़कर भागे

राफा । गाजा के बाद इजरायली सेना ने अपना ध्यान राफा शहर पर लगा दिया है। अमेरिका सहित अपने तमाम सहयोगी देशों की चेतावनी को नजरअंदाज कर बेंजामिन नेतन्याहू की सेना राफा में लगातार अंदर जा रही है। गाजा के बाद अब राफा में नरसंहार की आशंका बढ़ गई है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इजरायली सेना राफा में भी लोगों से उसी तरह पेश आ रही है, जैसे गाजा में हो रहा था। इजरायली सेना का सड़कों पर उत्पात मचाना और बमों की बारिश करना जारी है। रिपोर्ट है कि इजरायली टैंक अब रिहायशी इलाकों तक भी पहुंच गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टैंकों को महत्वपूर्ण सलाह अल-दीन सड़क से पार करते हुए देखा गया है। यह सड़क गाजा को उत्तरी और दक्षिणी हिस्से में विभाजित करती है। एक व्यक्ति ने बताया, इजरायली सेना रिहायशी इलाकों के अंदर आ गए हैं। सड़क पर जगह-जगह झड़पें हो रही हैं। ये दृश्य काफी तनाव भरे हैं। राफा में घुसते ही इजरायली सेना और हमास आतंकियों के बीच जंग शुरू हो गई है। हमास की एक सशस्त्र शाखा ने दावा किया कि उसने पूर्वी अल-सलाम में एक मिसाइल से इजरायली सैन्य वाहन को नष्ट कर दिया, जिसमें चालक दल के कुछ सदस्य मारे गए हैं। हालांकि इजरायल रक्षा बलों ने अपुष्ट रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इंकार किया। इस बीच आईडीएफ ने कहा कि उसके बलों ने राफा सीमा पर करीबी लड़ाई में कई सशस्त्र आतंकवादियों को मार डाला। आईडीएफ ने कहा कि शहर के पूर्व में उसने उग्रवादियों एक टोली और पोस्ट को भी नष्ट कर दिया है, जहां से उसके सैनिकों पर मिसाइलें दागी जा रही थीं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा फिलिस्तीन को देगी यूएन में पूर्ण सदस्यता वाला दर्जा?

-भारत ने कहा-द्विराष्ट्र समाधान ही इस अशांत क्षेत्र में टिकाऊ शांति लाएगा

जेनेवा(एजेंसी)। गाजा में चल रहे इजराइल और हमास युद्ध में इजराइली हमलों में हजारों फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। इसे लेकर दुनिया के कई देशों में इजराइल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी हो रहे हैं। वहीं अब भारत ने संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की पूर्ण सदस्यता के अपने समर्थन को लेकर कहा है कि सीधी और सार्थक बातचीत के जरिये हासिल द्विराष्ट्र समाधान ही इस अशांत क्षेत्र में टिकाऊ शांति लाएगा।

भारत ने पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक प्रस्ताव के समर्थन में मतदान किया था। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि फिलिस्तीन (पूर्ण सदस्यता पाने की) योग्यता रखता है और इसे संयुक्त राष्ट्र के पूर्ण सदस्य का दर्जा मिलना ही चाहिए और इस विषय पर सुरक्षा परिषद अनुकूल तरीके से फिर से विचार करे। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रूचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा था अपने पुराने रुख को बरकरार रखते हुए, हम संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की सदस्यता का समर्थन करते हैं और इसलिए हमने इस प्रस्ताव के समर्थन में वोट दिया है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि फिलिस्तीन की अर्जी पर सुरक्षा परिषद आने वाले समय में विचार करेगी और फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना लिया जाएगा।

विगत दिवस एक आपात विशेष सत्र के लिए 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक हुई थी जिसमें संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की पूर्ण सदस्यता के समर्थन में अरब समूह के प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र में नये सदस्य को शामिल करने को पिछले साल मई में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने पेश किया था। यूएई ने अरब समूह के अध्यक्ष के तौर पर यह प्रस्ताव पेश किया था। प्रस्ताव के पक्ष में भारत समेत 143 सदस्य देशों ने वोट किया था और नौ ने इसके खिलाफ मतदान किया था जबकि 25 सदस्य देश अनुपस्थित थे। मतदान के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा कक्ष तालियों से गूंज उठा था। प्रस्ताव में कहा गया है कि फिलिस्तीन, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 4 के अनुसार वैश्विक संस्था की सदस्यता पाने के योग्य है और इसलिए इसे इसके सदस्य के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए।

बता दें वर्तमान में फिलिस्तीन, संयुक्त राष्ट्र में गैर-सदस्य पर्यवेक्षक देश है, उसे यह दर्जा 2012 में महासभा ने प्रदान किया था। यह दर्जा फिलिस्तीन को वैश्विक संस्था की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति देता है लेकिन वह प्रस्तावों पर मतदान नहीं कर सकता। कंबोज ने कहा कि भारत के नेतृत्व ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि पूर्ण सदस्य के दर्जा पर सीधी और सार्थक बातचीत के जरिये हासिल केवल द्विराष्ट्र समाधान ही टिकाऊ शांति लाएगा। उन्होंने कहा कि भारत द्विराष्ट्र समाधान का समर्थन करने के प्रति प्रतिबद्ध है जहां फिलिस्तीन के लोग इजरायल की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए अपनी सुरक्षित सीमाओं के भीतर एक स्वतंत्र देश में मुक्त रूप से रह सकें। एक टिकाऊ समाधान पर पहुंचने के लिए, हम सभी पक्षों से सीधी शांति वार्ता बहाल करने के लिए सौहार्द्रपूर्ण माहौल बनाने का अनुरोध करते हैं।

पहले डैनियल्स अब माइकल ने बढ़ाई ट्रंप की मुसीबत

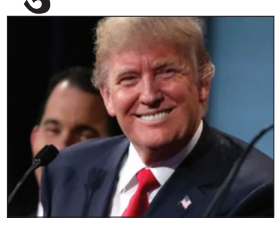

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। वजह ये है कि पहले एडल्ट फिल्मों में काम करने वाली स्टॉर्मी डैनियल्स ने ट्रंप की मुसीबत बढ़ाई थी अब उनके सहयोगी माइकल कोहेन ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ट्रंप के फिक्सर रहे माइकल कोहेन ने स्टॉर्मी डैनियल्स मामले को छिपाने के लिए 'कैच एंड किल' स्कीम शुरू की थी, जिसमें अख़बारों और पत्रिकाओं के संपादकों को खबर रोकने के लिए पैसे दिए गए थे। कोहेन के इस दावे से ट्रंप की परेशानी और बढ़ सकती है। बता दें कि एडल्ट फिल्म एक्ट्रेस स्टॉर्मी डैनियल्स ने दावा किया था कि उनका डोनाल्ड ट्रंप के साथ शारीरिक संबंध बने थे। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप इस आरोप को लगातार खारिज करते आए हैं। अब माइकल कोहेन ने हश मनी पेमेंट मामले में मैनहट्टन कोर्ट में चौंकाने वाले दावे किए हैं।

माइकल कोहेन की ओर से कोर्ट में किए गए दावे से डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े हश मनी केस में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ मजबूत आधार बन सकता है। एडल्ट फिल्म एक्ट्रेस स्टॉर्मी डैनियल्स के दावे को मीडिया और लोगों की निगाहों से दूर रखने के लिए उन्हें 1.30 लाख अमेरिकी डॉलर (1 करोड़ रुपये से ज्यादा) का भुगतान किया गया था। माइकल कोहेन ने कोर्ट में ट्रंप टावर के 26वें फ्लोर का खासतौर पर जिक्र किया। कोहेन ने बताया कि ट्रंप टावर की 26वीं मंजिल पर उनकी अमेरिकन मीडिया इंक के सीईओ डेविड पेकर (नेशनल एनक्वायरर के पूर्व प्रकाशक) और डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात हुई थी। यहीं पर 'कैच एंड किल' स्कीम का आगाज किया गया था। पेकर भी इस बारे में पहले जिक्र कर चुके हैं। कोहेन ने प्लान के बारे में विस्तार से बताया। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ नकारात्मक खबरों को दबाने या फिर छुपाने के लिए अखबारों और पत्रिकाओं के संपादकों को पैसे देने की व्यवस्था की गई थी। इसे 'कैच एंड किल स्कीम' के तौर पर जाना गया। कोर्ट के समक्ष माइकल कोहेन के बयान के बाद डोनाल्ड ट्रंप के बचने के रास्ते बंद हो सकते हैं।

एक जून को होने जा रहे आंदोलन ने पाकिस्तान सरकार की बढ़ाई मुसीबत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस वक्त पाकिस्तान सरकार की चौतरफा मुसीबतें बढ़ रहीं है। महंगाई और बदहाली से मुक्ति मिलती इससे पहले यहां होने जा रहे आंदोलन ने पाकिस्तान सरकार की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। माना जा रहा है कि यह आंदोलन बहुत बड़ा होगा और इसमें करीब एक करोड़ लोग शामिल होंगे। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने चेतावनी दी है कि करोड़ों लोग आंदोलन में भाग लेंगे। फजलुर रहमान ने पाकिस्तान में संसद के घटते महत्व पर आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। रिपोर्ट के अनुसार, जेयूआई-एफ प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान में संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं और संविधान लागू नहीं किया जा रहा है।

जामिया उबैदिया में मीडिया को संबोधित करते हुए जेयूआई-एफ प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने देश में संविधान की अनदेखी पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि 1 जून को मुजफ्फरगढ़ से मिलियन मार्च शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को आपत्ति होती है उनके पास कोई विकल्प ही नहीं है कि वे क्या करें। रिपोर्ट के अनुसार, रहमान ने कहा, संसद ने अपना महत्व खो दिया है, हम (जेयूआई-एफ) एक आंदोलन शुरू कर रहे हैं जिसमें जनता की प्रतिक्रिया अपेक्षा से अधिक है।उन्होंने 9 मई की हिंसा को याद करते हुए कहा कि अगर राजनीतिक अस्थिरता जारी रही तो व्यवस्था नष्ट हो जाएगी। रहमान ने कहा, हमें (जेयूआई-एफ) 9 मई के दंगों के संबंध में भी आपत्ति है, लेकिन अगर यह स्थिति (राजनीतिक अस्थिरता) बनी रही, तो सिस्टम पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। गौरतलब है कि जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल (जेयूआई-एफ) के नेता मौलाना फजलुर रहमान ने कहा था कि पाकिस्तान के आम चुनावों में धांधली हुई है। उन्होंने गठबंधन सरकार को समर्थन देने से इनकार किया था।रिपोर्ट के अनुसार, फजलुर रहमान ने राजनेताओं से चुनावों से जुड़े विवादों पर बात करने आग्रह किया और संस्थागत सुधारों की वकालत की। उन्होंने इसके साथ ही चुनाव आयोग की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाए। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले हफ्ते रहमान ने एक बार फिर आम चुनावों के नतीजों को खारिज कर दिया और व्यापक धांधली और अनियमितताओं का हवाला देते हुए नए चुनावों का आह्वान किया।

रुस का सामना नहीं कर पा रही यूक्रेन की सेना, खो दिया दूसरा बड़ा शहर

खारकीव (एजेंसी)। हथियारों की कमी और मनोबल गिरने से यूक्रेनी सेना युद्ध में पिछड़ रही है। उधर, रूसी सेना विस्फोटक हमलों से यूक्रेनी शहरों को तबाह कर रहे हैं और उसने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव के नौ इलाकों पर कब्जा भी कर लिया है। रूसी सेना खारकीव में काफी अंदर आ चुकी है और लगातार आगे बढ़ रही है। फरवरी 2022 से शुरू हुए इस युद्ध के बाद यूक्रेन ने खारकीव को वापस हासिल कर लिया था, अब रूस ने एक बार फिर खारकीव पर कब्जा कर लिया है। अपनी सेना की इस जीत से व्लादिमीर पुतिन गदगद हैं।कुल मिलाकर खारकीव, यूक्रेन और रूस के बीच चल रही जंग खतरनाक हो गई है। रूस ने बीते शुक्रवार को सीमा पार से घुसपैठ के बाद खारकीव पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण शुरू होने के बाद यह रूस के लिए बड़ी जीत मानी जा रही है, जमीनी हमले में रूस कम से कम नौ गांवों और बस्तियों पर अपना कब्जा कर चुका है। हजारों की संख्या में लोग अपना स्थान छोड़कर भाग चुके हैं। उधर, यूक्रेनी कमांडरों को इस बात की चिंता है कि अगर रूसी सैनिक शहर की तोपखाने की सीमा के भीतर आ गए तो बड़ी तबाही हो सकती है। यूक्रेन की सेना ने दावा किया है कि रूस ने अपने नवीनतम हमले में अपनी पांच प्रमुख बटालियन तैनात किए हैं और स्वीकार किया कि मॉस्को के सैनिकों को

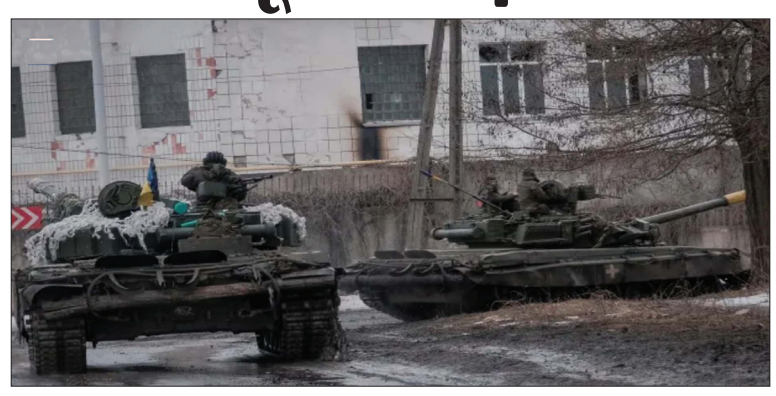

खारकीव में कुछ सफलताएं मिली हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिका और पश्चिमी देशों की तरफ से हथियारों की सप्लाई सुस्त या फिर बंद हो गई है। इससे यूक्रेन की सेना का मनोबल भी गिरा है और हथियारों की कमी से वे रूसी सेना के आगे टिक नहीं पा रहे हैं। रूस ने कहा है कि उसकी सेनाएं यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव के पास उत्तर-पूर्वी सीमावर्ती शहर वोवचांस्क में प्रवेश कर गई हैं। रूसी सेना खारकीव में दो किलोमीटर तक अंदर आ गई है।

हमले से बचाव कर रही यूक्रेनी सेना

एक तरफ रूसी सेना ने खारकीव के कई इलाकों पर कब्जा कर लिया है। दूसरी तरफ यूक्रेनी सेना लोगों को सुरक्षित स्थानों में पहुंचाने में लगी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन के सैन्य अधिकारी शहर में घर-घर जाकर लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील कर रहे हैं। रूसी सेना फरवरी 2022 के बाद शुरू हुए युद्ध में अपनी पुरानी नीति के तहत शहरों को बर्बाद करने में लगी है। दिन भर शहर के ऊपर रूसी विमानों को देखा जा रहा है। हालांकि रूस को मिलती बढ़त के बीच यूक्रेनी अधिकारी उम्मीद जता रहे हैं कि जल्द ही रूसी सेना को पछाड़ लिया जाएगा और शहर में स्थिति फिर बहाल कर दी जाएगी।

संयुक्त राष्ट्र को समझा लेंगे.. चाबहार पोर्ट से जुड़ी डील पर एस जयशंकर ने संभाला मोर्चा

न्यूयार्क (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि रणनीतिक चाबहार बंदरगाह को संचालित करने के लिए ईरान के साथ भारत के समझौते से पूरे क्षेत्र को फायदा होगा और लोगों को इसके बारे में संकीर्ण दृष्टिकोण नहीं रखना चाहिए। जयशंकर की टिप्पणी संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा ईरान के साथ व्यापारिक सौदे को लेकर प्रतिबंधों की धमकी के बाद आई है। कोलकाता में अपने पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोलते हुए जयशंकर ने कहा यह लोगों को संवाद करने, समझाने का सवाल है कि यह वास्तव में सभी के लाभ के लिए है। मुझे नहीं लगता कि लोगों को इसके बारे में संकीर्ण दृष्टिकोण रखना

चाहिए। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका खुद अतीत में चाबहार बंदरगाह की प्रासंगिकता की सहारना कर चुका है।

भारत द्वारा ईरान में चाबहार बंदरगाह को 10 वर्षों के लिए संचालित करने के समझौते पर हस्ताक्षर करने के कुछ घंटों बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका ने दोहराया कि ईरान के साथ व्यापारिक सौदों पर विचार करने वाले किसी भी व्यक्ति को प्रतिबंधों के संभावित जोखिम के बारे में पता होना चाहिए। यह बात ऐसे समय में आई है जब कुछ ही दिन पहले अमेरिका ने इजराइल पर हमले के बाद ईरान के मानवरहित हवाई वाहन उत्पादन को निशाना बनाते हुए उस पर नए प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने भारत और ईरान के बीच समझौते के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हम इन रिपोर्टों से अवगत हैं कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह के संबंध में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं भारत सरकार को चाबहार बंदरगाह के साथ-साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों के संबंध में अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों के बारे में बात करने दूंगा।

ईरान में भारतीय दूतावास द्वारा एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला के अनुसार, भारत और ईरान के बीच अनुबंध पर इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड और ईरान के बंदरगाहों और समुद्री संगठन द्वारा बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की उपस्थिति में तेहरान में हस्ताक्षर किए गए।

चेन्नई एयरपोर्ट पर रुसी दंपति के बैग से निकलने लगी दनादन नगदी,सीआईएसएफ ने तुरंत आयकर विभाग को दी सूचना

चेन्नई । एयरपोर्ट की सुरक्षा को दुरुस्त करने के लिए सालाना हजारों करोड़ रुपये खर्च होते हैं। इसके बावजूद समय-समय पर इसतरह के वाक्ये सामने आते हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ जाते हैं। अब ताजा मामला चेन्नई में सुरक्षा चूक का सामने आया है। विदेशी नागरिकों के इसमें शामिल होने से यह और गंभीर हो गया है। हालांकि, समय रहते यह एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों की पकड़ में आ गया। दरअसल चेन्नई में एक रूसी दंपति के पास एक या दो लाख नहीं, बल्कि 20 लाख रुपये नकद बरामद किया गया। रूसी नागरिकों के पास से इतनी बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने से एयरपोर्ट पर सनसनी फैल गई। एयरपोर्ट सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ के जवानों की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई। इतनी बड़ी तादाद में नकदी बरामद होने की सूचना तत?काल आयकर विभाग को दी गई। मामला सामने आने के बाद आयकर विभाग के अधिकारियों ने आरोपी दंपति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रहे हैं। आयकर विभाग की टीम इसका पता लगाने में जुटी है कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में नकदी कहां से आई और इस कहां ले जाना था। अधिकारियों ने बताया कि रूसी दंपति जब एक घरेलू उड़ान से दिल्ली से चेन्नई पहुंचे थे। एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने जब तलाशी ली तब उनके बैग से बीस लाख रुपये की भारतीय मुद्रा मिली। अधिकारियों ने कहा कि चूंकि रूसी दंपति के पास नकदी के लिए वैध कागजात नहीं थे, इसकारण उन्हें आयकर अधिकारियों ने पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। रूसी दंपति अपने बच्चे के साथ चेन्नई पहुंचे थे।

कर्नाटक में नेहा पार्ट-2 : सनकी प्रेमी ने लड़की की चाकू से गोदकर की हत्या , आरोपी ने लड़की को पूरे घर में घसीटा और लगातार चाकू के वार किए

हुबली । कर्नाटक में एक आशिक के हैवान बनने की तस्वीर सामने आई है। यहां प्रेमी ने अपनी प्रेमिका के साथ जो किया है, वैसा कोई दुश्मन भी नहीं करता है। हुबली शहर में बुधवार तड़के एक 23 वर्षीय नाराज प्रेमी ने 21 वर्षीय लड़की के घर में घुसकर उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी। हैवान ने पहले युवती को धमकी दी थी कि अगर उसकी बात नहीं मानी तब उसका भी हाल नेहा हिरेमथ जैसा ही होगा, जिसकी हाल ही में हुबली में एक कॉलेज परिसर में बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सुबह लड़की के घर में घुसा और सोते समय लड़की पर हमला कर दिया। इसके पहले लड़की कुछ कर पाती, आरोपी उस पर जानलेवा हमला कर चुका था। हालांकि, इतने देर में परिवार के अन्य सदस्य आ गए और उन्होंने हमलावर को रोकने की पूरी कोशिश की, बावजूद इसके हैवान अपने मंसूबों में कामयाब हो गया और लड़की को दौड़ा-दौड़ाकर चाकू मारकर बेरहमी से हत्या कर दी। इतना ही नहीं, लड़की को मारने के बाद वह भागने में भी कामयाब रहा। आरोपी ने मृतक लड़की की दादी और दो बहनों की मौजूदगी में दिल दहला देने वाली वारदात को अंजाम दिया। हैवान प्रेमी लड़की को पूरे घर में घसीटता रहा और प्रेमिका को लातें और चाकू मारता रहा। इसके बाद हत्यारे प्रेमी ने लड़की को रसोई में धकेल दिया, जहां हैवान ने उस पर फिर से चाकू से वार किया। मृतक महिला की पहचान अंजलि अम्बिगेरा के रूप में हुई है, जबकि हत्यारे की पहचान विश्वा के रूप में हुई है, जिसे गिरीश के नाम से भी जाना जाता है। दावा है कि आरोपी लड़की को प्यार करता था। अभी नेहा हत्या की आग बूझी भी नहीं थी कि हत्या की इस नई घटना ने राज्य को झकझोर कर रख दिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी अंजलि को ब्लैकमेल कर अपने माता-पिता को बताए बिना अपने साथ मैसूर चलने का दबाव बना रहा था। मृतक अंजलि की दादी गंगम्मा ने पहले पुलिस से संपर्क किया था और उन्हें आरोपियों की धमकियों के बारे में बताया था। हालांकि, कर्नाटक पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और उसे दूर भेजने से पहले उसे ज्यादा चिंतित न होने की सलाह दी। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

चारधाम यात्रा के लिए 14 मई तक 27लाख ने कराया रजिस्ट्रेशन

देहरादून। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा 2024 का 10 मई से शुभारंभ हो गया है, जिसके बाद हर दिन यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु उत्तराखंड आ रहे हैं। साथ ही चारधाम यात्रा के लिए हर दिन रजिस्ट्रेशन भी लगातार किए जा रहे हैं। इस बार चारधाम यात्रा में अभी तक पिछले सभी रिकॉर्ड टूटते जा रहे हैं। 14 मई तक 26,73,519 लाख श्रद्धालुओं ने चारधाम यात्रा के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। जहां यमुनोत्री धाम के लिए 4,21,366, गंगोत्री धाम के लिए 4,78,576, केदारनाथ धाम के लिए 9,00,707, बद्रीनाथ धाम के लिए 8,13,558 और हेमकुंड साहिब के लिए 59,312 श्रद्धालुओं ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। सबसे ज्यादा रजिस्ट्रेशन केदारनाथ धाम के लिए श्रद्धालुओं ने कराया है।

फेसबुक और इंस्टाग्राम अचानक हुए बंद, यूजर्स हो रहे परेशान, यूजर्स के अकाउंट्स अपने आप ही लॉगआउट हो रहे

नई दिल्ली। फेसबुक और इंस्टाग्राम अचानक बंद हो गए इससे लोग काफी परेशान हो रहे हैं। कई ऐसे यूज़र्स हैं जो अपने अकाउंट का एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं, और जिन लोगों के अकाउंट उनके डिवाइस पर पहले से लॉगइन हैं, उन्हें स्क्रीन पर ब्लैंक पेज दिखाई दे रहा है। लोगों को फेसबुक पर न तो किसी की पोस्ट दिखाई दे रही है और न ही वह फंक्शन नजर आ रहे हैं। फेसबुक में यह परेशानी बुधवार सुबह 7 बजे के करीब रिकॉर्ड की गई है। यूजर्स के अकाउंट्स अपने आप ही लॉगआउट हो रहे हैं। कई यूजर्स ने एरर मैसेज की बात भी कह रहे हैं। मेटा सर्विस डाउन होने के बाद इसका मेन सेंटर न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया बताया जा रहा है। भारत में कई यूज़र्स इस परेशानी से गुजर रहे है और ऐसा माना जा रहा है कि ये सर्वर प्राब्लम हो सकती है। उम्मीद की जा रही है कि इसे जल्द ही ठीक कर दिया जाएगा। इसके साथ ही एक्स पर भी लोगों ने शिकायत की है कि उनका फेसबुक और इंस्टाग्राम नहीं चल रहा है। साथ ही एक्स पर #फेसबुकडाउन भी ट्रेंड कर रहा है। हालांकि अभी तक फेसबुक की तरफ से कुछ नहीं कहा गया है। डाउनडिटेक्टर ने पिछले कुछ घंटों में इंस्टाग्राम और दूसरे मेटा सर्विसेज में दिक्कत का सामना करने की कई रिपोर्ट दर्ज की हैं। इसके अलावा कुछ यूजर्स ने एक्स पर संभावित आउटेज के बारे में चिंता व्यक्त की गई है। कई इंस्टाग्राम यूज़र्स ने कहा है कि उनके सामने मैसेज वाला डिस्प्ले पेज शो नहीं हो रहा है। कई यूज़र्स को समथिंक्स वॉन्ग रॉन्ग मैसेज दिखाई दे रहा है। इससे कितने यूजर परेशान इसकी संख्या ज्ञात नहीं हो सकी है।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने मुंबई में बनाए जा रहे 11 सखी मतदान केन्द्र, इन केन्द्रों का संचालन और सुरक्षा सब महिलाओं के हाथ में होगी

मुंबई। लोकसभा चुनाव के चार चरण सम्पन्न हो चुके हैं। अब पांचवे चरण और महाराष्ट्र के अंतिम चरण का मतदान 20 मई को होना है। मुंबई शहर जिले में 20 मई को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। जिले के दोनों लोकसभा क्षेत्रों के 10 विधानसभा क्षेत्रों में महिला संचालित मतदान केंद्र बनाये जा रहे हैं ताकि महिला मतदाता बड़ी संख्या में वोट डाल सकें, इसके लिए जिला निर्वाचन आयोग सखी मतदान केंद्र बनवा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा दी गई जानकारी में कहा गया है कि सखी मतदान केंद्रों पर महिलाओं के लिए जरुरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। लैंगिक समानता और चुनावी प्रक्रिया में महिलाओं की ज्यादा भागीदारी के लिए अपनी प्रतिबद्धता के तहत, इसे लोकसभा चुनाव के लिए महिलाओं द्वारा संचालित महिला मतदान केंद्र के रूप में सखी मतदान केंद्र नाम दिया है। सखी मतदान केन्द्र पर सभी अधिकारी एवं कर्मचारी महिलाएं ही होंगी। इस मतदान केंद्र को शादी के मंडप की तरह सजाया जा रहा है। मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए रंगोली और स्वागत धनुष बनाए जा रहे हैं। मुंबई शहर जिले के दो लोकसभा क्षेत्रों मुंबई दक्षिण मध्य और दक्षिण मुंबई में कुल 11 सखी मतदान केंद्र बनाए जा रहे हैं। 11 सखी मतदान केंद्रों में से 6 सखी मतदान केंद्र मुंबई दक्षिण मध्य में और 5 सखी मतदान केंद्र मुंबई दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र में बनाए जाएंगे। हरेक निर्वाचन क्षेत्र में एक सखी मतदान केंद्र और धारावी निर्वाचन क्षेत्र में दो सखी मतदान केंद्र होंगे।

370 हटने के बाद कश्मीर में शांति है, पीओके में पत्थरबाजी हो रही : शाह

पीओके को वापस लेकर रहेगी मोदी सरकार

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को लेकर बड़ा बयान दिया है। शाह ने पीओके में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शनों का जिक्र कर कहा कि पीओके भारत का हिस्सा है और हमारी सरकार पीओके को लेकर रहेगी। साथ ही केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि आज पीओके में पत?थरबाजी हो रही है, भारतीय कश्मीर में नहीं। शाह ने कहा कि साल 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद एक समय अशांत रहे कश्मीर में शांति लौट आई है, लेकिन पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर अब विरोध प्रदर्शनों और आजादी के नारों से गूंज रहा है।

पीओके पर कब्जे की मांग का समर्थन नहीं करने के लिए कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधकर शाह ने कहा, मणिशंकर अय्यर जैसे कांग्रेस नेता कहते हैं कि ऐसा नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि उनके पास परमाणु बम है। मैं कहना चाहता हूं कि वह भारत का हिस्सा है, हमारी सरकार पीओके लेकर रहेगी। शाह ने कहा कि वर्तमान लोकसभा चुनाव, इंडियन नेशनल इंक्लूजिव डेमोक्रेटिक अलायंस' (इंडी) गठबंधन के भ्रष्ट नेताओं और ईमानदार राजनेता नरेन्द्र मोदी के बीच चयन करने का चुनाव है। मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहने के बावजूद कभी भी उनके खिलाफ एक पैसे का भी आरोप नहीं लगा। उन्होंने कहा, बंगाल को तय करना है कि वह घुसपैठिये चाहता है या शरणार्थियों के लिए नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का चाहता है। बंगाल को तय करना है कि वह जिहाद के लिए वोट करना चाहता है या विकास के लिए वोट करना चाहता है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने नागरिकता संशोधन कानून का विरोध करने और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए 'घुसपैठियों के समर्थन में रैलियां निकालने' के लिए बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की। बता दें कि भाजपा के दि?गज नेता लगातार पश्चिम बंगाल का दौरा कर रहे हैं।

अधिवक्ता सिंघवी को आप की तरफ से मिल सकता है बड़ा इनाम

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आम चुनाव में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी। इसके बाद से ही सीएम केजरीवाल लगातार चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं, ऐसे में खबर यह है कि कोर्ट में सीएम केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी को सियासी तौर पर बड़ा इनाम मिल सकता है। दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में शीर्ष अदाल ने सीएम अरविंद केजरीवाल को लोकसभा चुनाव-2024 में प्रचार करने के लिए बड़ी राहत प्रदान करते हुए अंतरिम जमानत दे दी है। जेल से बाहर आने के साथ ही सीएम केजरीवाल इंडिया गठबंधन के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इससे राष्ट्रीय राजनीतिक गलियारे समेत आम आदमी पार्टी के अंदरखाने भी हलचल मची हुई है। अब चूंकि वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने ट्रायल कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक सीएम केजरीवाल की पैरवी की है। शीर्ष अदालत में सिंघवी की दलीलों के चलते ही स्पेशल बेंच ने सीएम केजरीवाल को राहत प्रदान की है तो कयास लगाए जा रहे हैं कि इसके लिए अब केजरीवाल उन्हें बड़ा इनाम देना चाह रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि सीएम केजरीवाल द्वारा राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल से संसद के उच्च सदन से इस्तीफा देने का आग्रह किया गया है। इस खबर के बाद से ही कयास लगाए जा रहे हैं कि इस खाली होने वाली सीट पर आप के वकील अभिषेक मनु सिंघवी को पार्टी राज्यसभा भेज सकती है। स्वाति के इस्तीफा देने के बाद दिल्ली सीट से सिंघवी को राज्यसभा भेजना आसान होगा और यही उनका बड़ा इनाम हो सकता है।

बुंदेलो के वोट की चोट से ठुकेगी सपा -कांग्रेस के ताबूत मे आखिरी कील : योगी आदित्यनाथ

महोबा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि लोकसभा के मौजूदा चुनाव मे बुंदेलों के वोट क़ी चोट कांग्रेस व् सपा के ताबूत मे आखिरी कील ठोंके जाने का काम करेगी.उन्होंने कहा क़ी दोनों परिवारवादी पार्टियों ने 70 सालों तक माफिया को संरक्षण देकर बुंदेलखंड को लूटा और बर्बाद किया है.वीरों क़ी यह भूमि अबकी चुनाव मे उन्हें पूरी तरह नकार कर कड़ा सबक सिखाएगी.

हमीरपुर संसदीय सीट से भाजपा के प्रत्यासी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के समर्थन मे महोबा के जिला परिषद मैदान मे आयोजित एक चुनावी सभा मे बुधवार को गरजते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा और कांग्रेस पर जमकर प्रहार किये. उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश प्रदेश मे सरकारे तो बनी लेकिन बुंदेलखंड मे माफिया राज कायम रहा. यहां की खनिज,वन सम्पदा को लूट कर लोग अपनी तिजोरीयाँ भरते रहे. अपराधियों के उत्पीड़न और शोषण से पूरा इलाका चीखता रहा. महिलाओ की अस्मत से खुलेआम खिलवाड़ हुआ तो बेखौफ लुटेरों,बदमाशों द्वारा ब्यापारियो को निशाना बनाया जाता रहा.परन्तु किसी ने भी इसकी सुध नहीं ली.

मुख्यमंत्री योगी ने कहा की वर्ष 2017 मे भाजपा की सरकार आने के उपरान्त यूपी ओर बुंदेलखंड की तस्वीर बदली है. लोगो को माफिया से मुक्ति मिली है तो महिला ओर ब्यापारी की सुरक्षा को भी प्राथमिकता से पूरा कराया गया है.पीने के पानी की गंभीर समस्या से ग्रस्त पठारी भूभाग वाले इस इलाके को हर घर नल योजना से सनतृप्त किया गया है. बुंदेलखंड कारिडोर, एक्सप्रेस वे आदि परियोजनाओ के माध्यम से इस अति पिछड़े क्षेत्र को विकास के रास्ते पर ले जाने की कोशिस की गयी है. उन्होंने कहा की भारत सरकार के नदी जोड़ो कार्यक्रम के तहत महत्वआकांक्षी केन बेतवा गठजोड़ परियोजना बुंदेलखंड की तस्वीर बदल देगी. तो बुंदेलखंड कारिडोर मे विकसित होने वाला ओद्योगिक गालियारा यहां की बेरोजगारी ओर पिछड़ेपन को खत्म करने का मज़बूत आधार बनेगा.

अपने निर्धारित समय से करीब एक घंटा विलम्ब से यहां पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने चुनावी सभा मे अयोध्या के राम मंदिर मुद्दे को प्रमुखता से उठाया ओर उसे चुनाव से जोड़ते हुए कहा की यह रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच लड़ा जा रहा देश के लिए बेहद अहम चुनाव है. जिसमे पाकिस्तान समर्थित राम के द्रोही जनता ज़नार्दन की आस्था को चुनौती पेश कर रहे है.उनके द्वारा न सिर्फ प्रभु राम को नकारा जा रहा है बल्कि अयोध्या मे पांच सौ वर्षो के कलंक को मिटाकर हुए भव्य मंदिर निर्माण को गलत ठहराया जा रहा है.योगी ने कहा कि धर्म और अधर्म की इस लड़ाई मे लोगो को निर्णयक भूमिका का निर्वहन करते हुए यह तय करना है कि देश मे राम भक्तों की सरकार हो अथवा किसी अन्य की.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा की चार चरणों के अब तक हुए मतदान मे विपक्ष को करारी शिकस्त मिली है.सशक्त व् श्रेष्ठ भारत के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरे कार्यकाल हेतु जनता ज़नार्दन का अपार समर्थन मिल रहा है. उन्होंने उम्मीद जताई की पांचवे चरण मे आगामी 20 मई को होने वाले मतदान मे बुंदेलो का जोश ओर जूनून भाजपा को विजयश्री दिलाने मे बड़ा रोल निभायेगा.जन सभा को प्रदेश के जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने भी सम्बोधित किया.

4 जून के बाद राहुल और सोनिया गांधी विदेश भागने वाले : गिरिराज सिंह

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने दावा किया है कि कांग्रेस नेता राहुल और सोनिया गांधी देश छोड़कर भागने वाले हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी 400 से ज्यादा सीटें जीतेंगी। वहीं, कांग्रेस को इस चुनाव में पिछली बार से भी कम सीटें मिलेंगी। कांग्रेस लोकसभा में फिर से विपक्ष का दर्जा नहीं हासिल कर सकेगी। बेगूसराय में चौथे चरण की वोटिंग होने के बाद केंद्रीय गिरिराज सिंह फॉर्म में हैं। उन्होंने दावा किया है कि उनकी सीट पर इस बार वामपंथ का पूरी तरह सफाया होगा।

बीजेपी के फायरब्रांड नेता सिंह ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू ने हिंदुओं को धोखा दिया। उन्होंने कहा कि अगर पीएम मोदी को 400 प्लस सीटें मिलेंगी, तब काशी, मथुरा और अयोध्या की विरासत को और ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि राहुल और सोनिया जिस ढंग से भारत को तोड़ने, लोगों की संपत्ति छीनने, मुसलमानों की बात कर रहे हैं। लग रहा है कि इन माई-बेटा को देश से प्रेम नहीं है। कांग्रेस को पिछली बार से भी कम सीटें मिलेंगी।

गिरिराज ने आरोप लगाए कि कांग्रेस का पॉलिटिकल एजेंडा मुसलमानों का वोटबैंक लेना। ये मुसलमानों को स्थापित करना चाहते हैं। एनसी नेता फारुख अब्दुल्ला अब्दुल्ला के परमाणु हथियार वाले बयान पर चुटकी लेकर गिरिराज ने कहा कि मोदी ने कह दिया वह पाकिस्तान को चूड़ी पहना दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में वह कांग्रेस पार्टी को सबसे निचले पायदान पर देखते हैं। इस बार फिर कांग्रेस को विपक्ष का दर्जा नहीं मिलेगा। राहुल गांधी और टुकड़े-टुकड़े गैंग ने पीएम मोदी पर इतना हमला किया, इन्हें पच नहीं रहा कि गरीब का बेटा कैसे प्रधानमंत्री बन गया। एक बार लालू ने कहा था कि बक्सा से जिन्न निकलता है। इस बार ईवीएम से मोदी के लिए गरीबों का आशीर्वाद निकलेगा।

कांग्रेस ने खाद्य सुरक्षा कानून दिया, इसलिए जनता को मिल रहा राशन : प्रियंका

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार पर धर्म के नाम पर वोट मांगने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग विकास, महंगाई और बेरोजगारी पर बात नहीं करते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने खाद्य सुरक्षा योजना के तहत आपको राशन का अधिकार दिया इसलिए आपको राशन मिल रहा है। कांग्रेस ने मनेरगा योजना में 100 दिन के रोजगार का अधिकार दिया।

बुधवार को ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र के उमरान में आयोजित नुक्कड़ सभा को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी ने कहा कि देश का गरीब किसान फसल के लिए, अपनी बेटी की शादी और बच्चों की शिक्षा के लिए कर्ज लेता है। किसान कर्ज नहीं भर पाता है। मोदी किसान का कर्ज माफ करने के बजाय 16 लाख करोड़ रुपये उद्योगपतियों का माफ कर दिया। उन्होंने कहा कि लखीमपुर खीरी में काले कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन कर रहे थे। मंत्री के बेटे ने किसानों पर कार चढ़ा दी। किसानों की मौत हुई, लेकिन मोदी जी ने किसानों से बात करने की जरूरत नहीं समझी। मोदी कभी मंच से नीचे उतरकर आप से नमस्ते भी नहीं करेंगे। मोदी जी दिन भर मे तीन बार कपड़े बदलते हैं। इतना महिलाएं भी नहीं बदलती हैं।

चुनाव आयोग के नोटिस पर भाजपा ने कहा- हिन्दू विरोधी कांग्रेस पर कार्रवाई होनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव कहीं का भी हो। अयोग में शिकायतें जाती हीं है। आयोग भी कई बार नोटिस देकर जवाब मांगता है। ऐसा एक नोटिस भाजपा को दिया। जिसके जवाब में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी आरोपो को नकारते हुए साफ कर दिया कि हिंदू विरोधी कांग्रेस और वाम दलों पर कार्रवाई होना चाहिए।

नड्डा ने चुनाव आयोग को दिए अपने जवाब में न सिर्फ पीएम मोदी के सभी भाषणों का बचाव किया बल्कि, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर कार्रवाई का आग्रह भी किया। नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की सोच वाला घोषणपत्र जारी करके देश को बांटने का प्रयास किया। राम मंदिर उद्घाटन में न आकर पार्टी ने पाप किया है। नड्डा ने कांग्रेस पर हिन्दू विरोधी होने का आरोप लगाया और मांग की चुनाव आयोग को उन पर ऐक्शन लेना चाहिए। बता दें कि विपक्षी दलों ने अपनी शिकायतों में भाजपा के स्टार प्रचारक और पीएम मोदी पर आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन का आरोप लगाया था। कांग्रेस की ओर से की घई ये शिकायतें मुख्य रूप से 21 अप्रैल को राजस्थान के बांसवाड़ा की थी। जिसमें चुनावी रैली के दौरान पीएम मोदी ने राम मंदिर उद्घाटन में कांग्रेस के आने पर निशाना साधा था। पीएम मोदी ने रैली में कांग्रेस के घोषणा पत्र की तुलना मुस्लिम लीग से की थी।

आयोग के समक्ष भेजे अपने जवाब में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पीएम मोदी के भाषणों को उचित करार दिया। दावा किया कि पीएम मोदी ने जो भी कहा वो सही था। प्रधानमंत्री के भाषण का जिक्र करते हुए दावा किया कि कांग्रेस के घोषणापत्र पर मुस्लिम लीग की मुहर है। कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की तरह देश को बांटने की कोशिश की है। नड्डा ने कहा कि जिस तरह मुस्लिम लीग ने भारत के विभाजन के बीज बोए, उसी तरह कांग्रेस आर्थिक और भाषाई मतभेदों का हवाला देते हुए देश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्से को विभाजित करने का प्रयास कर रही है। नड्डा ने यह भी कहा कि राम मंदिर के उद्घाटन समारोह से दूर रहकर पार्टी ने पाप किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, नड्डा ने चुनाव आयोग से यह भी कहा कि वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा देने वाली और देश के प्रधानमंत्री का विरोध करने वाली कांग्रेस ने देश के मूलभूत धर्म और इसकी प्राचीन संस्कृति का विरोध करना शुरू कर दिया है। इसमें कांग्रेस के साथ उसके सहयोगी भी शामिल हो गए हैं।

चाबहार समझौते से जहां कारोबार बढ़ेगा वहीं पाकिस्तान और चीन पर दबाव भी रहेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान का चाबहार बंदरगाह अब भारत के नियंत्रण में आ गया है। इससे पाकिस्तान और चीन बैचेन हो गए है। वजह ये है कि चाबहार पर भारत के नियंत्रण होने से जहां कारोबार बढ़ेगा वहीं चीन और पाकिस्तान पर भी दबाव बनेगा। भारत के इस कदम से न केवल देश को मध्य एशिया के साथ कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी, बल्कि इस कदम को चीन और पाकिस्तान के लिए करारा जवाब भी माना जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि चीन द्वारा विकसित किये जा रहे ग्वादर बंदरगाह और अब भारत द्वारा संचालित किये जाने वाले चाबहार बंदरबाग के बीच समुद्री मार्ग की दूरी केवल 172 किलोमीटर है और ऐसे कई देश हैं जो चाबहार बंदरगाह का यूज अपने कारोबार के लिए करना चाहते हैं।

भारत की यह डील रणनीतिक रूप से काफी अहम है, क्योंकि इससे मध्य एशिया तक भारत की राह सीधी और आसान हो जाएगी। ईरान के साथ यह करार क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और अफगानिस्तान, मध्य एशिया और यूरेशिया के साथ भारत के संबंधों को बढ़ावा देगा। भारत का इस बंदरगाह को अपने कंट्रोल में लेना पाकिस्तान स्थित ग्वादर बंदरगाह (जिसे चीन डेवलप कर रहा है) के साथ-साथ चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का जवाब भी है। भारत, ईरान और अफगानिस्तान के बीच ट्रांजिट ट्रेड के केंद्र के रूप में स्थित यह बंदरगाह पारंपरिक सिल्क रोड के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। यह पोर्ट व्यापार और निवेश के अवसरों के रास्ते खोलेगा और इससे भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

भारत, ईरान और अफगानिस्तान के बीच ट्रांजिट ट्रेड के केंद्र के रूप में स्थित यह बंदरगाह पारंपरिक सिल्क रोड के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। यह पोर्ट व्यापार और निवेश के अवसरों के रास्ते खोलेगा और इससे भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।भारत चाहता रहा है कि यह चाबहार बंदरगाह अंतर्राष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) में एक प्रमुख केंद्र बने। आईएनएसटीसी ईरान के माध्यम से भारत और रूस को आपस में जोड़ता है। यह भारत, ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई के लिए 7,200 किलोमीटर की मल्टी-मोड परिवहन परियोजना है। अहम बात यह है कि चाबहार बंदरगाह ईरान का एकमात्र गहरे समुद्र वाला बंदरगाह है, जिसकी समुद्र तक सीधी पहुंच है। दिलचस्प बात यह है कि इसे अमेरिकी प्रतिबंधों से भी छूट प्राप्त है, जो इसे न केवल भारत के लिए बल्कि अन्य देशों के लिए भी एक आकर्षक संभावना बनाता है। रिपोर्ट की मानें तो कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान जैसे कई मध्य एशियाई देशों ने हिंद महासागर क्षेत्र और भारतीय बाजार में अपना सामान लाने-ले जाने के लिए चाबहार बंदरगाह का इस्तेमाल करने की इच्छा जताई है।

चीन के मंसूबों होंगे नाकाम

चीन द्वारा ग्वादर बंदरगाह को अपने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के हिस्से के रूप में शामिल करने के बाद यह बंदरगाह भारत के लिए और भी महत्वपूर्ण हो गया है। मध्य एशिया में चीन के मंसूबों पर चाबहार बंदरगाह से भारत अब आसानी से पानी फेर सकता है और चीन के प्रभाव को कम कर सकता है। चाबहार बंदरगाह हिंद महासागर में प्रभाव का विस्तार करने के चीन के प्रयासों का मुकाबला करने के भारत के लक्ष्य को भी पूरा करता दिख रहा है। साथ ही भारत का यह बंदरगाह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा को काउंटर करेगा। इतना ही नहीं, इस समझौते से नई दिल्ली और तेहरान और नजदीक आ गया है, जो पाकिस्तान और चीन की सदाबहार दोस्ती को काउंटर करने के लिए बेहद अहम है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरथाणा जोन में गेट का अतिक्रमण दूर करने गई टीम के साथ हंगामा,महिलओं ने जेसीबी का घेराव किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत नगर पालिका के वराछा बी जोन (सरथाणा) में टीपी रोड पर आशीर्वाद सोसायटी पर बने हुए गेट को दूर करने का कार्य किया गया. इस दौरान सोसायटी के निवासियों और नगर पालिका के कर्मचारियों के बीच झड़प हो गई. सोसायटी के निवासियों का आरोप है कि आसपास कई अवैध निर्माण हैं, उन्हें नहीं तोड़ा जाता और हमारा गेट तोड़ दिया जाता है. उधर, नगर पालिका का कहना है कि टीपी रोड खोलने का काम किया जा रहा है, हम पुलिस व्यवस्था के साथ काम करेंगे. नगर पालिका पर यह भी आरोप लगे कि बिल्डरों की ओर से काम कराया जा रहा है.

सूरत मनपा क्षेत्र में टीपी स्कीम का संचालन तेजी से चल रहा है. नगर पालिका ने टीपी स्कीम के तहत टीपी रोड खोलने और नगर पालिका के भूखंडों पर कब्जा लेने की कार्रवाई तेज कर दी है. सूरत कामरेज मेन रोड पर टीपी स्कीम नंबर २२ में टीपी रोड खुलवाने का काम वराछा बी जोन द्वारा किया गया. इस कार्रवाई के दौरान आर्शीवाद सोसायटी के सामने दो अंतिम प्लॉट हैं और सोसायटी के बीच से टीपी रोड गुजरती है. इस टीपी रोड पर सोसायटी की ओर से एक गेट का निर्माण कराया गया है. टीपी रोड पर जोन की ओर से बाधक बने गेट को हटाने की कार्रवाई शुरूकी गयी. लेकिन, जब नगर पालिका ने काम शुरू कराया तो सोसायटी के लोग एकत्र हो गए और काम रूकवाकर हंगामा शुरूकर दिया. आप के नगरसेवक ने कहा कि अधिकारियों की एक टीम सरथाणा टीपी नंबर २२ में स्थित आशीर्वाद रो हाउस सोसायटी के गेट को तोड़ने के लिए यहां आई थी. ऐसा लगता है कि यह काम दूसरों के इशारे पर हो रहा है. दो कॉमर्शियल बिल्डरों को फायदा पहुंचाने के लिए टीपी स्कीम के बहाने रास्ता खुलवाने के लिए गेट को तोड़ा जा रहा है. टीपी स्कीम के तहत सड़क साफ करने के लिए जो प्रारंभिक प्रक्रिया जरूरी है, वह नहीं की जा रही है. यह गेट तोड़ना केवल बिल्डरों को फायदा पहुंचाने के लिए शुरू किया गया है. फिलहाल स्थानीय लोगों के विरोध को देखते हुए मैं कमिश्नर को सुझाव दे रहा हूं कि अधिकारियों को इस तरह से काम करने का निर्देश दिया जाये कि स्थानीय लोगों के साथ न्याय हो. सरथाणा जोन के कार्यकारी इंजीनियर सतीश वसावा ने कहा कि हमारी टीम टीपी नंबर २२ की सड़क पर अतिक्रमण हटाने के लिए पहुंची. स्थानीय लोगों ने सोसायटी का गेट नहीं तोड़ने दिया. जिसके चलते हमने इस ऑपरेशन को फिलहाल टाल दिया है. आने वाले दिनों में हम पुलिस सुरक्षा के साथ सड़क पर जो गेट लगाया है, उसे हटा देंगे. किसी को लाभ पहुंचाने के लिए जो कहा जा रहा है वह निराधार है.

सूरत में २० दुकानों सहित अवैध अतिक्रमण हटाया गया, पुलिस की मौजूदगी में की गई कार्यवाही

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत नगर पालिका के वराछा बी जोन में पूरी तरह से आवासीय क्षेत्र में अवैध निर्माण को हटाया गया. नगर पालिका ने पहले निर्माण हटाने के लिए नोटिस जारी किया था लेकिन इस नोटिस को नजरअंदाज करते हुए निर्माण जारी रखा गया था. जिसके बाद नगर पालिका ने ३०११ वर्गमीटर सहित २० दुकानें, एक तबेला और पुलिस की मौजूदगी में एक अस्थायी शेड को हटा दिया गया और जगह खुली गई.

मनपा के वराछा बी जोन में कई अवैध अस्थायी शेडों की शिकायतों के बीच मनपा ने टीपी स्कीम नंबर ६८(पुना-सिमाड़ा) में ब्लॉक नंबर २३६, ओपन प्लॉट नंबर ३६ में अवैध निर्माण को हटाया. यह क्षेत्र पूरी तरह से आवासीय क्षेत्र है और व्यावसायिक गतिविधियों के साथ-साथ व्यावसायिक निर्माण करने पर स्थानीय लोगों द्वारा नगर पालिका को शिकायत की गई थी. लोगों ने शिकायत की कि अवैध निर्माण से यातायात में दिक्कत हो रही है. स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद नगर पालिका के वराछा बी जोन ने इस अवैध निर्माण को लेकर नोटिस जारी किया और समय रहते निर्माण हटाने के निर्देश दिए. हालांकि, परिसर के कब्जेदारों ने नगर निगम के नोटिस को नजरअंदाज कर दिया और अवैध निर्माण जारी रखा. जिसके चलते वराछा बी जोन सरथाणा द्वारा पुलिस व्यवस्था प्राप्त कर ३०११ वर्गमीटर सहित २० दुकानें, एक तबेला और एक अस्थायी शेड हटाया गया और पूरी जगह खुली की गयी.

वराछा के दबंग विधायक फिर मैदान में

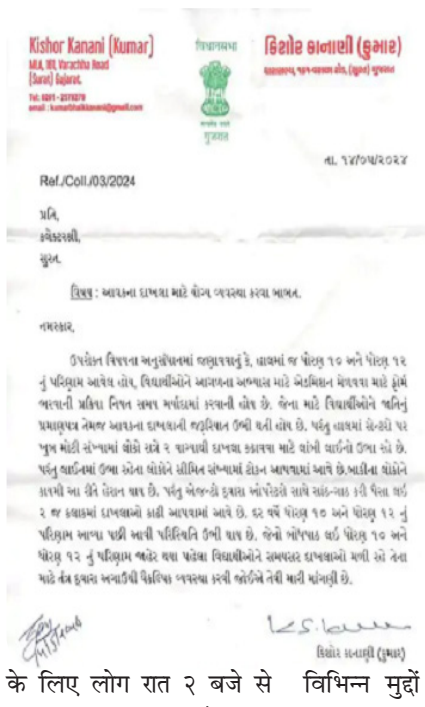

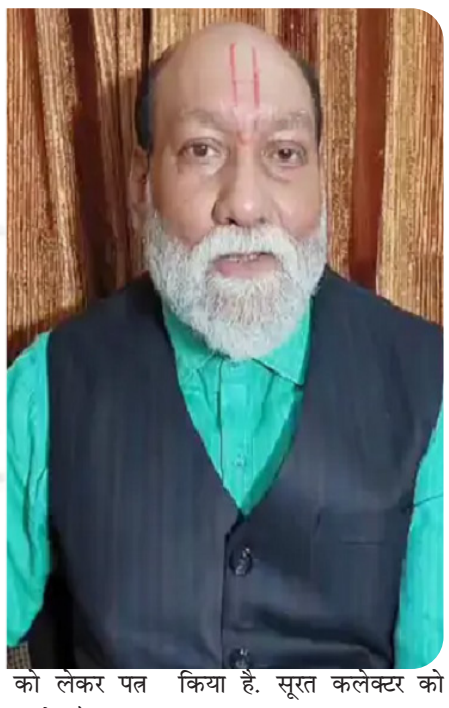

कुमार कानानी ने कलेक्टर को पत्र लिख कर कहा एजेंटों को पैसा देकर तुरंत काम होता है

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत में विधायक कुमार कानानी ने एक बार फिर पत्र लिखकर दिया है. लेकिन इस बार पत्र सरकार को नहीं बल्कि सूरत कलेक्टर को लिखा गया है. जिसमें आय प्रमाणपत्र के लिए उपयुक्त व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया गया है.ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए कि कक्षा १० और १२ के विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए आवश्यक एसे प्रमाणपत्र जल्द से जल्द मिल सके. इसके साथ ही कुमार कानानी ने यह भी आरोप लगाया कि अगर लोग पैसे देते हैं तो एजेंटों द्वारा तुरंत प्रमाणपत्र बनाकर मिल जाता है. गौरतलब है कि प्रमाणपत्र लेने

Kishor Kanani (Kumar)
Ref./Coll./03/2024

के लिए लोग रात २ बजे से लाइन में खड़े रहते हैं. फिर टोकन देने की प्रक्रिया में ३-४ दिन लग जाते हैं.

सूरत में विधायक कुमार कानानी विभिन्न जनता के विभिन्न मुद्दों को लेकर पत्र लिखकर देते रहते है, अब विधायक कुमार कानानी ने सूरत कलेक्टर को पत्र लिखकर आय प्रमाणपत्र के लिए उचित व्यवस्था करने का अनुरोध किया है. सूरत कलेक्टर को लिखे पत्र में उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि एजेंट संचालकों से मिलीभगत कर पैसे लेते हैं और २ घंटे के अंदर आय प्रमाणपत्र बनाकर दे देते हैं. कानानी ने आगे कहा कि कतार में खड़े लोगों को सीमित संख्या में टोकन दिए जाते हैं.ऐसे में बाकी लोग स्थाई रूप से नाराज रहते हैं. उन्होंने यह भी मांग की है कि सिस्टम को पहले से वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए ताकि छात्रों को कक्षा १० और कक्षा १२ के परिणाम घोषित होने से पहले समय पर प्रमाणपत्र मिल सकें. विधायक कुमार कानानी ने कहा कि अब जब १०वीं और १२वीं कक्षा के नतीजे आ गए हैं, तो छात्रों को आगे की पढ़ाई के लिए प्रवेश पाने के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर फॉर्म भरना होगा. जिसके लिए छात्रों को जाति प्रमाण पत्र और आय प्रमाणपत्र की आवश्यकता होती है. लेकिन अब केंद्रों पर रात २ बजे से ही काफी संख्या में लोग लंबी-लंबी कतारों में खड़े हैं.

सूरत में दोस्त ने दोस्त की हत्या कर शव कूड़े के ढेर में फेंके

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पुणागाम कोहिनूर टेक्सटाइल मार्केट-२ के सामने कल एक युवक को कूड़े के ढेर से बोरे में एक व्यक्ति का शव मिला. बैग में शव देखकर युवक ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। तो पुलिस ने मौके पर आकर जांच शुरू कर दी. जिसमें मृत युवक के सिर और पूरे शरीर पर चोट के निशान दिखे. पुलिस ने हत्यारों का पता लगा लिया और पूरे मामले की जांच शुरूकर दी. आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि १.५५ लाख रुपये उधार दिए थे। इसलिए फैक्ट्री में उसके सिर पर हथौड़े से वार किया गया और शव को बोरे में भरकर फेंक दिया गया.

कूड़ा बीन रहे युवक को मिली लाश कल दोपहर करीब साढ़े १२ बजे कूड़ा बीन रहे एक युवक की नजर मोम की बोरी पर पड़ी। उसके ऊपर लाल कम्बल ओढ़ा हुआ था. जहां पर यह बोरा रखा हुआ था। उससे दो फीट की दूरी पर कूड़ा भी जल रहा था। हालांकि, बैग संदिग्ध लगा तो युवक ने पास जाकर जांच की तो अंदर एक व्यक्तिका शव मिला। तो युवक ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और पुणे पुलिस का बेड़ा मौके पर पहुंच गया.

पुलिस ने जांच के लिए १२ टीमें बनाईं और इस मामले में क्राइम ब्रांच की १२ टीमों के १०० सदस्यों ने तस्वीरें लीं और जांच की. जिसमें मृतक की पहचान इमरान गुलाबभाई कुरेशी के रूप में हुई। शव को आसपास की कई फैक्ट्रियों और कपड़ा मार्केट के लोगों को दिखाकर पहचान कराने की कोशिश की गई और सूचना के आधार पर राजीवनगर झुपड़पट्टी मंदिर से २ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

बिजनेस के लिए उधार लिए पैसे आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि जतिन उर्फ जीत गोरधनभाई खोखरिया ने बताया कि डेढ़ साल पहले वह बाबरा शहर से सूरत आए और अंजना फार्म में जयनारायण इंडस्ट्रियल एम्ब्रायडरी फैक्ट्री शुरू की. इसी बीच उन्होंने अपने गांव के दोस्त इमरान कुरेशी से एक साल में लौटाने की शर्त पर ३.५५ लाख रुपये उधार लिए और कढ़ाई का कारोबार शुरू

बोत्सवाना सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने सूरत डायमंड एसोसिएशन का दौरा किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, बोत्सवाना के हाईकमीशन के एम्बेसडर ''गिल्बर्ट शिमन मेंगोल'' और बोत्सवाना के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार निवेश और व्यापार केंद्र के निदेशक ''डिपोपेगी जूलियस शाइको'' ने सूरत डायमंड एसोसिएशन के कार्यालय में हीरा उद्योग के अगेवानों से मुलाकात की.

बोत्सवाना के हाईकमीशन के एम्बेसडर ''गिल्बर्ट शिमन मेंगोल'' ने कहा कि सूरत आने का मुख्य उद्देश्य भविष्य में हीरे के उत्पादन में बोत्सवाना सरकार के योगदान को बढ़ाना है. जिसे बोत्सवाना में पॉलिश की जाएगी और हमारे स्थानीय नागरिकों को रोजगार मिलेगा. हीरे के उत्पादन के बाद बोत्सवाना में आभूषण उद्योग भी विकसित होगा. बोत्सवाना की सरकार स्थानीय स्तर पर हीरा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रही है और उस दिशा में नीति भी बना रही है हीरा उद्योग को बोत्सवाना में एक कारखाना शुरू करने के लिए आमंत्रित किया गया है और कहा गया है कि बोत्सवाना में कारखाना शुरूकरने के लिए जो इच्छुक हैं उन्हें बोत्सवाना सरकार कच्चे हीरे की नीलामी के अलावा सीधी नीलामी आयोजित करने की व्यवस्था करने के लिए तैयार है.

प्रतिनिधिमंडल के समक्ष हीरा उद्योग ने कहा कि इसके लिए बुनियादी ढांचे के साथ सुरक्षा भी बेहद जरूरी है, जो कि वह नहीं है. कुशल जौहरी मिलना भी मुश्किल है. वह खर्चे भी बहुत लगते हैं. अब चोरी, लूटपाट जैसी घटनाएं भीं हो रही हैं. सूरत के हीरा अग्रदूतों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और सुरक्षा सहित अन्य समस्याओं को भी उठाया गया, इस संबंध में ''गिल्बर्ट शिमन मेंगोल'' ने आश्वासन दिया कि बोत्सवाना सरकार इस संबंध में आवश्यक कदम उठाएगी.